

आजाद सिपाही



रांची

रविवार, वर्ष 10, अंक 112



सबका साथ सबका विकास



मोदी जी की पूरी हुई प्रतिज्ञा
खत्म हुई 27 साल की प्रतीक्षा

दिल्ली में



खिल गया

दिल्लीवालों को दिल से

आभार



सन्नी टोप्पो

युवा भाजपा नेता
मांडर विधानसभा क्षेत्र

दिल्ली में मोदी के तोप से ढह गया 'केजरी वॉल'

■ अति आत्मविश्वास ने डुबा दी आम आदमी पार्टी की नाव

■ भारी पड़ गयी आम लोगों को पीछे चलनेवाली भीड़ समझना

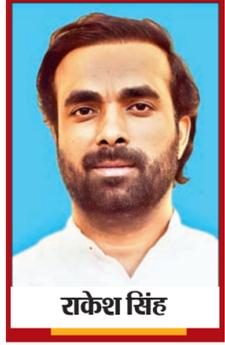
दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सिर्फ हारी ही नहीं, बल्कि राजनीति में नैतिकता और शुचिता के जिन मूल्यों की स्थापना के जिस दावे के साथ इस दल का अन्ना आंदोलन के गर्भ से जन्म हुआ था, कहीं न कहीं उनसे दूर होना इस पार्टी को ले डूबा। इस बार सिर्फ पार्टी ही नहीं, बल्कि निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्री गोपाल राय को छोड़ कर कमोबेश आप के सभी बड़े नेता चुनाव हार गये। वरना यही बीजेपी, यही नरेंद्र मोदी और यही अमित शाह 2015 और 2020 में भी तो थे। तब भी पूरा जोर लगाया गया था, लेकिन तब अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का

नयी और अलग राजनीति का नारा भाजपा की संगठन शक्ति, उसके नेताओं की चमक, साधन, संसाधन और तंत्र बल पर भारी पड़ा था। अगर आम आदमी पार्टी और टीम केजरीवाल अपनी नैतिक आभा नहीं खोते, तो उनकी जीत की संभावनाओं पर कोई संशय नहीं होता। दरअसल 2013 से दिल्ली की राजनीति में मिलने वाली अपार लोकप्रियता

आजाद सिपाही विशेष

से अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अपराजेय होने का भ्रम पैदा कर दिया था। उन्होंने जनता को अपने पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया। वो भूल गये कि जनता किसी व्यक्ति या दल के पीछे नहीं, बल्कि उन वादों, दावों और सपनों के साथ है, जिन्हें नयी राजनीति के नारे के साथ अरविंद केजरीवाल और आप ने शुरू किया था और

जिनमें कट्टर ईमानदारी, सत्ता के तामझाम से दूर सादगी, आम जन से निकटता, राजनीति में शुचिता, सार्वजनिक नैतिकता की स्थापना, भ्रष्टाचार उन्मूलन और सर्व धर्म समभाव शामिल थे। वह यह भी भूल गये कि उनके सामने उस नरेंद्र मोदी की प्रचंड लोकप्रियता है, जो अब भारतीय लोकतंत्र का पर्याय बन चुके हैं। इसके अलावा कई अन्य कारण भी रहे, जिसने दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। क्या रहे दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार के कारण, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

की सरकार बनायी। अपनी सरकार की लोकलुभावन नीतियों की वजह से वे सत्ता में बने रहे। पूरी पार्टी केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही रही, लेकिन दिल्ली की शराब नीति से जुड़े मामले में गिरफ्तारी और जेल जाने के बाद जब वे रिहा हुए, तो सितंबर 2024 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। सत्येंद्र जैन पहले ही जेल जा चुके थे। वहीं, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को भी लंबे समय तक जमानत नहीं मिल सकी। आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं का जेल जाना और

अदालती शर्तों से बंधे रहना चुनाव से पहले बड़ा दर्शन प्याइंट रहा। एक अहम तथ्य यह भी है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे। केजरीवाल ने हमेशा से वीआइपी कल्चर पर सवाल उठाये, लेकिन इस बार शोश महल को लेकर उन पर ही सवाल खड़े हो गये। भाजपा-कांग्रेस ने आप को जम कर घेरा।

कारण नंबर दो: मुफ्त की योजनाओं का हथियार नहीं चला

दिल्ली में आप की लोकप्रियता की बड़ी वजह मुफ्त बिजली, पानी जैसी योजनाओं को माना जा सकता है। इस चुनाव से पहले भाजपा मुफ्त रेवडियों के खिलाफ आवाज बुलंद कर रही थी। केजरीवाल इसी बात का फायदा उठा कर पूरे देश में मुफ्त बिजली और इलाज जैसे मुद्दे उठाते रहते थे, लेकिन चुनाव में भाजपा ने भी आप वाला ही दांव चला और चुनावी वादों में महिलाओं-बच्चों, युवाओं से लेकर आँटों रिक्शा चालकों तक के लिए बड़े एलान किये। इसके साथ ही कांग्रेस ने भी

कारण नंबर एक: बड़े नेताओं का जेल जाना

केजरीवाल ने लगातार तीन बार दिल्ली में आम आदमी पार्टी



ऐसे ही वादे किये, जिससे आप की चुनौती बढ़ गयी।

कारण नंबर तीन: शीशमहल विवाद को मुखरता से उठाना

भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास को अलीशान तरीके से बनाने और उस पर करोड़ों रुपये खर्च करने का मुद्दा उठाया। भाजपा ने कई पोस्टर जारी कर केजरीवाल को इस मुद्दे पर घेरा।

कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को उठाया। देश की संसद में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम नेताओं ने आप को इस मुद्दे पर घेरा।

कारण नंबर चार: यमुना सफाई, सड़कें और जलभराव पर भी धिरी आप

दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने से पहले से केजरीवाल और



तमाम आप नेता यमुना की सफाई के मुद्दे को उठाते रहे हैं। तत्कालीन दिल्ली की सरकार को आड़े हाथों लेकर सभी नेताओं ने सरकार में आने पर नदी को साफ करने का वादा किया था। इसके बाद दिल्ली की जनता ने आप को सरकार बनाने का मौका दिया। हालांकि 10 से ज्यादा साल तक सत्ता में रहने के बाद भी यमुना साफ नहीं हो पायी। इस बार जब चुनाव प्रचार चल रहा था, तो उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली आकर केजरीवाल को चुनौती दी। इसके बाद केजरीवाल ने यमुना के जहरीले पानी का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसका ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ा। इसके अलावा दिल्ली की खस्ताहाल सड़कें और बारिश के मौसम में जलभराव के मुद्दे ने भी केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ायीं। भाजपा-कांग्रेस दोनों ने ही इस मुद्दे पर केजरीवाल और आप को घेरा।

कारण नंबर पांच: नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का तोप

दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का तोप भी खूब चला। मोदी ने चुनावी सभा में आप को आपदा करार दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश दोगुना हो गया। इस चुनावी नारे के साथ भाजपा ने हर कदम पर केजरीवाल और उनकी पार्टी को निशाना बनाया।

फिसलों के फायदे के काम हों या फिर आयुष्मान योजना हो, केंद्र की हर वह योजना, जो दिल्ली में आप सरकार ने लागू नहीं की, अन्य राज्यों को उससे होने वाले लाभ भाजपा ने दिल्ली की जनता को बताये। आप के इस रवैये को भाजपा ने आपदा करार दिया। इसी चुनावी नारे के साथ भाजपा ने आप को टक्कर दी।

कारण नंबर छह: कांग्रेस का मजबूती से चुनाव लड़ना

पिछले दो विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती। हालांकि, 2015 में कांग्रेस को 9.7 फीसदी तो 2020 में 4.3 फीसदी वोट मिले। इस बार यह आंकड़ा 6.62 फीसदी पर रहने की उम्मीद है। लोकसभा में विपक्षी एकता का नारा लगाकर भाजपा को चुनौती देने वाली आप और कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में राहें अलग-अलग हो गयीं। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत झोंकी। इसका असर परिणामों में साफ दिखाई दे रहा है। कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ने की वजह से आप को नुकसान हुआ है।

कारण नंबर सात: अति आत्मविश्वास और सत्ता का अहंकार

2013 में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल में संभावना देखी। 2015 में उन्हें अपार बहुमत देकर बड़ा मौका दिया और 2020 में मुफ्त, बिजली, पानी, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए उठाये गये कदमों पर मुहर लगाते हुए दोबारा भरोसा दिया कि वो सब करे, जो आप कहते हो। हालांकि 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक गयी या यूँ कहें कि उन्होंने रास्ता बदल दिया। 2022 में दिल्ली नगर निगम की जीत ने आप और टीम केजरीवाल का मनोबल और बढ़ा दिया। इससे वो अति आत्मविश्वास के शिकार हुए, जो कालांतर में सत्ता के अहंकार में बदल गया, क्योंकि दोनों के बीच की सीमा रेखा बेहद पतली होती है।

क्या है इस हार का सियासी मतलब

दिल्ली में आप की हार का सियासी मतलब साफ है कि इस देश के मतदाता किसी भी नेता के पीछे चलने के लिए तैयार नहीं हैं। वे काम पर ही वोट देते हैं और अपना फैसला बहुत सोच-समझ कर करते हैं। इस हार ने अरविंद केजरीवाल को राजनीति की मुख्यधारा से फिलहाल अलग कर दिया है, जबकि कांग्रेस का अस्तित्व अब राष्ट्रीय राजधानी में खत्म सा हो गया है। इसलिए अब देश की सियासत को फिलहाल 'मोदी मार्ग' पर चलना तय हो गया है।

दिल्ली में बीजेपी की प्रचंड जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न आप दा के खिलाफ दिल्ली की जनता का प्रचंड जनादेश, मोदी की गारंटी पर जताया भरोसा: मरांडी

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, सांसद दीपक प्रकाश, विधायक सीपी सिंह, प्रदेश महामंत्री और सांसद डॉ प्रदीप वर्मा, विधायक नवीन जयसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष शकेर प्रसाद ने दी जीत की बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत पर कहा कि यह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल के दुष्प्रचार को सिरे से खारिज कर भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन दिया, इसके लिए मैं जनता जनार्दन का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने आप दा के खिलाफ प्रचंड जनादेश दिया है। जनता ने मोदी की गारंटी पर पूरा विश्वास जताया है। श्री मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र



मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह एवं दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित सभी समर्थित कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक विजय पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि दिल्ली के जनादेश ने राष्ट्रवाद और तीव्र

विकास की राजनीति को मजबूती प्रदान की है। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार अब जन आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी। मोदी की गारंटी अब जमीन पर साकार होगी। विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि पिछले एक दशक से

दिल्ली की जनता को केवल मुंगेरि लाल के हसीन सपने दिखाये गये। आज जनता ने झूठे और भ्रष्टाचारी लोगों को सबक सिखाया है। कार्यक्रम में आरती कुजूर, प्रदेश मंत्री गणेश मिश्र, सरोज सिंह, शिवपूजन पाठक, अविनेश सिंह, समर सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे।

शशांक राज, पवन साहू, अशोक बड़ाइक, अरुण झा, रमेश सिंह, समर सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे।

आप के पाप का घड़ा फूटा : प्रतुल

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि दिल्ली में आखिरकार आप के पाप का घड़ा फूट ही गया। आप की सरकार ने दिल्ली की जनता के साथ धोखेबाजी की। आम आदमी की सरकार बनाने का दावा करने वाले केजरीवाल खुद शोश महल पर काबिज हो गये। ना यमुना का



प्रदूषण काम हुआ और ना ही दिल्ली की हवा बदली।

अरविंद केजरीवाल फरेबी नेता हैं : आलोक कुमार दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा देश में ईमानदारी की आड़ में सबसे बड़ी बेइमानी करने वाला शख्स अब सबके सामने है। यह कोई और नहीं, बल्कि अरविंद केजरीवाल है, जो बीजेपी की वी टीम का अहम हिस्सा है। पिछले कई वर्षों से इस शख्स ने जनता को धोखा देने, झूठ फैलाने, फरेब करने का काम किया है। वह सिर्फ मुफ्त की रेवडी बांटने के नाम पर जनता को ललचाकर अपनी राजनीति चला रहे थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा, अरविंद केजरीवाल सिर्फ देश का नहीं, बल्कि अपनी पार्टी और जनता के प्रति भी धोखेबाज हैं। वह खुद को



सोफेदपोश बताते हैं, लेकिन उनकी हर चाल देश के साथ गद्दारी करती है। लेकिन अब दिल्ली की जनता ने जवाब दे दिया है। उनके काले कारनामों का पर्दाफाश हो चुका है और दिल्ली में उनकी हार हो चुकी है। जनता ने यह साफ कर दिया है कि अब कोई भी झूठा, फरेबी, देशद्रोही की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। अरविंद केजरीवाल की असलियत अब सबके सामने आ चुकी है और उनकी राजनीतिक यात्रा का अंत हो चुका है।

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

किसानों के खेतों
तक पानी पहुंचायेगी
राज्य सरकार: हेमंत

दिल्ली विधानसभा: 70 सीट, बहुमत-36, भाजपा-48 और आप-22

27 साल बाद दिल्ली भाजपा की

- विधानसभा चुनाव में मिला स्पष्ट बहुमत
- भाजपा को 48 और आप को 22 सीटें मिलीं
- कांग्रेस एक बार फिर शून्य पर रही

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली में 27 साल बाद स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से भाजपा ने 48 और आम आदमी पार्टी (आप) ने 22 सीटें जीतीं। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली है। दिल्ली विधानसभा में कुल 70 सीटें हैं। बहुमत के लिए 36 सीटों की जरूरत है। बताते चलें कि भाजपा ने 1993 में 49 सीटें यानी दो तिहाई बहुमत हासिल किया था। पांच साल की सरकार में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री बनावे गये थे। इसके बाद 1998 से 15 सालों तक कांग्रेस ने राज किया। फिर 2013 से आम आदमी पार्टी की सरकार थी।

भाजपा का वोट शेयर बढ़ा: इस



अयोध्या हार का बदला: भाजपा ने सपा से मिल्कीपुर छीना

अयोध्या (आजाद सिपाही)। अयोध्या हार का बदला भाजपा ने मिल्कीपुर जीत कर ले लिया। आठ साल बाद सपा से मिल्कीपुर विधानसभा सीट छीन ली। भाजपा ने मिल्कीपुर में इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने सपा के अजीत प्रसाद को 61 हजार 636 वोट से हराया। इससे पहले सपा से अवधेश प्रसाद साल 2012 में 39,237 वोट से जीते थे। उपचुनाव में चंद्रभानु पासवान को 1 लाख 46 हजार 291 और अजीत प्रसाद को 84 हजार 655 वोट मिले। बाकी सभी आठ प्रत्याशियों की जमानत जव्त हो गयी। अयोध्या सांसद के बेटे होने के बावजूद अजीत प्रसाद अपने ही बूथ से हार गये।

बार भाजपा की 71% स्ट्राइक के पर चुनाव लड़ा, 48 सीटें जीतीं। साथ 40 सीटें बढ़ीं। पार्टी ने 68 वहाँ, आप को 40 सीटों का

केजरीवाल और सिसोदिया हारे

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सबसे चौकाने वाला परिणाम आप पार्टी के प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हार रही। उन्हें नयी दिल्ली सीट पर भाजपा के प्रवेश वर्मा ने 4,089 वोटों से हराया। वहीं, मनीष सिसोदिया को जंगपुरा



सीट पर भाजपा के तरविंदर सिंह मारवाह ने हराया।

आप की हार के बाद दिल्ली सचिवालय सील

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत की ओर बढ़ते ही उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने एक आदेश जारी किया। इस आदेश में दिल्ली सचिवालय को सील करने की बात थी। इसमें सचिवालय के दस्तावेजों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का

नुकसान हुआ। आप का स्ट्राइक रेट 31% रहा। भाजपा ने पिछले चुनाव (2020) के मुकाबले वोट शेयर में 9% से ज्यादा का इजाफा किया। वहीं, आप को

जिक्र करते हुए कहा गया है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई भी फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जा सकता है। साथ ही सभी विभागों, एजेंसियों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे विभाग की अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्ड या फाइल न हटावें।

करीब 10% का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को भले ही एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन वोट शेयर 2% बढ़ाने में कामयाब रही।

देश की राजधानी आप-दा से मुक्त हुई: नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत यमुना मैया की जय के नारे के साथ की। मोदी ने कहा कि आज दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और सुकून भी है। उत्साह विजय का है, सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है। आपने दिल खोल कर प्यार दिया। मैं दिल्लीवालों को नमन करता हूँ। मोदी ने कहा कि आपके इस प्यार को विकास के 'लांग स्ट्र' पर हम लौटायेंगे। दिल्ली के लोगों का ये प्यार ये विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का तेजी से विकास करके ये कर्ज चुकायेगी। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पीएम मोदी का स्वागत किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा सांसद मनोज तिवारी और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत बड़े नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज जनता ने फिर एक बार कांग्रेस को कड़ा संदेश दिया है। दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस ने जीरो की डबल

हैट्टिक लगायी है। देश की राजधानी में देश की सबसे पुरानी पार्टी का लगातार दिल्ली में 6 बार से खाता नहीं खुल रहा है। ये लोग खुद गोल्ड मेडल देते फिर रहे हैं। सच्चाई यह है कि कांग्रेस पर देश बिल्कुल थरोसा करने को तैयार नहीं है। कांग्रेस परजीवी पार्टी बन चुकी है। खुद तो डूबती है, अपने साथियों को भी डूबोती है। कांग्रेस एक के बाद एक सहयोगियों को खत्म कर रही है। तरीका मजेदार है। मोदी ने कहा कि बिहार में भी ये कांग्रेस ही है, जो जातिवाद का जहर फैला कर अपनी सहयोगी आरजेडी की जमीन को खाने में जुट गयी है। ऐसा ही हाल जम्मू-कश्मीर, बंगाल में भी कांग्रेस ने अपने सहयोगियों का किया। दिल्ली में भी साफ हो गया कि जो कांग्रेस का हाथ एक बार थामता है, उसका बंटोहार होना तय हो जाता है। प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आप-दा वाले यह कह कर राजनीति में आये थे कि राजनीति बदल डालेंगे, लेकिन ये कट्टर बेईमान निकले। वरिष्ठ महानुभाव श्रीमान अन्ना हजारे का बयान सुन रहा था। वे काफी समय से इन आप-दा वालों के कुकर्मों की पीड़ा झेल रहे थे। आज उन्हें भी उस पीड़ा से मुक्ति मिली होगी। जिस पार्टी

का जन्म ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध हुए आंदोलन से हुआ हो, वही भ्रष्टाचार में निप्त हो गयी। देश की ऐसी पार्टी बनी, जिसके मुख्यमंत्री, मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गये। ये खुद को ईमानदारी का सर्टिफिकेट और दूसरों को भ्रष्टाचार का मेडल देते थे, वे खुद बेईमान निकले। मोदी ने कहा कि शराब घोटाले ने दिल्ली को बदनाम किया। अहंकार इतना कि जब दुनिया को रोना से निपट रही थी, तब ये आप-दा वाले शीशमहन बना रहे थे। आप-दा वालों ने अपने घोटाले छिपाने के लिए साजिशें रचीं। मैं गारंटी दे रहा हूँ कि पहले विधानसभा सत्र में ही सीएजी की रिपोर्ट सदन में रखी जायेगी। भ्रष्टाचार की जांच होगी और जिसने भी लूटा है, उसको लौटाना पड़ेगा। ये भी मोदी की गारंटी है। पीएम ने कहा कि मां यमुना हमारी आस्था का केंद्र है। तभी तो कहते हैं कि नमो नमस्ते यमुना सदा त्वम। हम लोग हमारा सदा मंगल करने वाली यमुना को नमस्कार करते हैं। उसी यमुना जी की इन लोगों ने केंसी दुर्दशा कर दी है। दिल्ली का तो अस्तित्व ही मां यमुनाजी की गोद में पनाप है। चुनाव प्रचार के दौरान मैंने संकल्प लिया है कि यमुनाजी को हम दिल्ली शहर की पहचान बनायेंगे।

दिल्ली बोली इस बार मोदी !

खिला कमल जीता विकास

भाजपा पर दिल्ली ने दिखाया विश्वास!

अमृतपूर्व समर्थन और अटूट विश्वास के लिए दिल्ली की जनता और सभी कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार

सबका साथ, सबका विकास
सबका विश्वास....

कृपा शंकर सिंह

सदस्य प्रदेश कार्यसमिति
भाजपा, झारखंड प्रदेश

झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

JHARKHAND ACADEMIC COUNCIL, RANCHI

रामदास सोरेन
माननीय मंत्री
स्कूली शिक्षा, साक्षरता एवं निबंधन
झारखण्ड सरकार

हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

अपील

वार्षिक माध्यमिक / इन्टरमीडिएट परीक्षा, 2025

विदित हो कि वार्षिक माध्यमिक एवं इन्टरमीडिएट परीक्षा दिनांक 11 फरवरी 2025 से प्रारम्भ हो रही है। परीक्षा के सुचारु रूप से संचालन के लिए सभी परीक्षार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, आम नागरिकों एवं परीक्षा कार्य में संलग्न सभी कर्मियों/पदाधिकारियों का पूर्ण सहयोग अपेक्षित है।

राज्य सरकार शिक्षा में गुणात्मक सुधार तथा मानव संसाधन विकास हेतु कटिबद्ध है। इसके लिए आवश्यक है कि संपूर्ण राज्य में परीक्षाओं का संचालन पूर्णतः शांतिपूर्ण वातावरण में कदाचार मुक्त तरीके से सम्पन्न हो। झारखण्ड अधिविद्य परिषद द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से समुचित व्यवस्थाएँ की गयी हैं। कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षाओं का संचालन, समय पर परीक्षाफल का प्रकाशन तथा शिक्षा को सर्वसुलभ बनाना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन हेतु सभी संबद्ध व्यक्तियों को आवश्यक निर्देश दिये गए हैं, साथ ही उनसे अपेक्षा है कि वे वांछित कार्यों का सम्पादन निष्ठापूर्वक करेंगे। झारखण्ड सरकार स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है, इस दिशा में इस बार भी सभी जिला के परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यकतानुसार सी.सी.टी.वी. कैमरा अधिष्ठापित किया गया है ताकि परीक्षा में पारदर्शिता कायम रह सके। किसी भी स्तर पर कदाचार करने अथवा कराने वालों एवं निर्धारित दायित्वों का निर्वहन नहीं करनेवाले कर्मियों के विरुद्ध झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम, 2001 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

इस अवसर पर जनहित एवं राज्यहित में सभी परीक्षार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं आम नागरिकों से अपील है कि वे निःस्वार्थ भाव से परीक्षा की पवित्रता के साथ-साथ झारखण्ड की गरिमा बनाये रखने तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिये कदाचार मुक्त परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य के सफल संचालन में ईमानदारी एवं निष्ठा से सहयोग करें।

आएँ झारखण्ड को हम सब मिलकर बनायें
ज्ञान आधारित एवं अनुशासन प्रिय प्रदेश

रामदास सोरेन
माननीय मंत्री
झारखण्ड सरकार

हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखण्ड

परीक्षाओं में अंकों की होड़

देश में वार्षिक परीक्षाएं छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं। लेकिन हाल के वर्षों के दौरान, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हट कर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खास कर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढ़ने की बजाय कोचिंग सेंटर्स पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहां कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताये जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियां जिम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते। इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढ़ने की तुलना में कोचिंग सेंटर्स में परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाये जाते हैं, जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, गांव के भोले-भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सेंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे। ऐसे में यदि शिक्षक भी उदासीन रहेंगे तो यह युवा अपनी शुरुआत ही गंवा रहे हैं। आज से कुछ वर्ष पूर्व थी इंडियन फिल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जबकि होना यह चाहिए कि हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए, जिससे खुशी भी होती है और सही मायने में सफलता भी मिलती है। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्ड के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता। दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गयी है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं, जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं, मोटी रकम होती है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी वे छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं, जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दाव पर लगा देना होता है। इतना रुपया खर्च करके भी जो डिग्री मिलती है, उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती, तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रुपया लगा कर भी उसने दी गयी फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पायी, तब उनमें हताशा आती है।

इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गयी है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं, जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं, मोटी रकम होती है।

दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जबकि होना यह चाहिए कि हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए, जिससे खुशी भी होती है और सही मायने में सफलता भी मिलती है। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्ड के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता। दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गयी है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं, जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं, मोटी रकम होती है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी वे छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं, जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दाव पर लगा देना होता है। इतना रुपया खर्च करके भी जो डिग्री मिलती है, उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती, तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रुपया लगा कर भी उसने दी गयी फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पायी, तब उनमें हताशा आती है।

अभिमत

आजाद सिपाही



मृत्युंजय शर्मा

21वीं सदी के दूसरे चरण में भारत की आर्थिक प्रगति वैश्विक स्तर पर आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 एक ऐसे राष्ट्र की तस्वीर पेश करता है, जो जीडीपी में मजबूत वृद्धि, बढ़ती युवा जनसांख्यिकी और तेजी से होते शहरीकरण के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, संरचनात्मक सुधारों, डिजिटल प्रगति और घरेलू खपत के चलते भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है।

भारत की जनसांख्यिकीय लाभांश असीम संभावनाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है। चूंकि हमारी लगभग 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम उम्र की है, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार ऐसे रणनीतिक कदम उठाये, जो इस युवा शक्ति को आर्थिक शक्ति में बदल सके। दूसरी ओर, कुछ क्षेत्रों में बढ़ती बुजुर्ग आबादी और शहरी-ग्रामीण असमानता को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत संरचना में सुधार की आवश्यकता बनी रहती है। सामाजिक स्तर पर भी आय की असमानता, कौशल विकास की चुनौतियां, पर्यावरणीय चिंताएं और तकनीकी अंतर जैसी समस्याएं बनी हुई हैं।

हालांकि आर्थिक सुधारों ने शहरी विकास को गति दी है, लेकिन ग्रामीण भारत अभी भी उत्पादकता, शिक्षा की उपलब्धता और रोजगार की अस्थिरता से जूझ रहा है। ऐसे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2025-26 एक दूरदर्शी योजना को रेखांकित करता

भारत की जनसांख्यिकीय लाभांश असीम संभावनाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है। चूंकि हमारी लगभग 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम उम्र की है, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार ऐसे रणनीतिक कदम उठाये, जो इस युवा शक्ति को आर्थिक शक्ति में बदल सके। दूसरी ओर, कुछ क्षेत्रों में बढ़ती बुजुर्ग आबादी और शहरी-ग्रामीण असमानता को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत संरचना में सुधार की आवश्यकता बनी रहती है।

भविष्य के भारत की नींव रखता बजट 2025



है, जो इन जटिल मुद्दों को संबोधित करते हुए भारत को एक सशक्त भविष्य के लिए तैयार करने का प्रयास करता है। सरकार ने समावेशी विकास और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक महत्वाकांक्षी वित्तीय रोडमैप तैयार किया है, जो चार प्रमुख विकास उल्लेखों - कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात पर केंद्रित है। यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है, जिससे समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लायी गयी हैं। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना 100 पिछड़े जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए तकनीक और सतत खेती को बढ़ावा देगी। मिशन आत्मनिर्भरता इन दलहन खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने और आयात निर्भरता कम करने में मदद करेगा। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की कर्ज सीमा 5 लाख

तक बढ़ायी गयी, जिससे 7.7 करोड़ किसानों, डेयरी उत्पादकों और मछुआरों को वित्तीय स्थिरता मिलेगी। कपास उत्पादन में वृद्धि, उन्नत बीजों के विकास और असम में एक नई यूरिया इकाई की स्थापना भारत को वैश्विक कृषि प्रतिस्पर्धा में सशक्त बनावेगी और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में योगदान देगी।

भारत के 5.7 करोड़ एमएसएमई आर्थिक विस्तार की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें पूंजी और विस्तार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। माइक्रो एंटरप्राइजेज के लिए कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड 5 लाख की क्रेडिट सीमा के साथ पेश किए गए हैं, जिससे सूक्ष्म उद्योगों को वित्तीय सहूलियत मिलेगी। क्रेडिट गारंटी कवर को दोगुना कर 1.5 लाख करोड़ अतिरिक्त कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। लेटर और फुटवियर उद्योग में फोकस प्रोडक्ट स्कीम के तहत 22 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना एग्रो-इंडस्ट्रियल विकास को गति देगी। सरकार की मेक इन इंडिया पहल को

क्लीन-टेक मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र में और सशक्त किया जायेगा, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भागीदारी बढ़ेगी।

निवेश की रणनीति तीन प्रमुख स्तंभों - जनता, अर्थव्यवस्था और नवाचार पर केंद्रित है। सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 पहल 8 करोड़ बच्चों और 1 करोड़ गर्भवती माताओं के पोषण स्तर को सुधारने के लिए बनायी गयी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के तहत प्रत्येक जिला अस्पताल में कैंसर उपचार केंद्र स्थापित किए जायेंगे। शहरी चुनौती निधि (Urban Challenge Fund) के तहत एक लाख करोड़ का आवंटन किया गया है, जिससे शहरों की आधारभूत संरचना, सार्वजनिक सेवाओं और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। जल जीवन मिशन का विस्तार 2028 तक किया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में 100% नल जल कनेक्शन सुनिश्चित किया जा सके।

अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 20,000 करोड़ की आरएंडडी निधि स्थापित की गयी है,

जिससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीप टेक और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को मजबूती मिलेगी। पीएम रिसर्च फेलोशिप के माध्यम से शैक्षणिक और औद्योगिक अनुसंधान के बीच तालमेल को बढ़ावा मिलेगा।

ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की गयी है, जिसमें 20,000 करोड़ का निवेश किया गया है, जिससे छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) विकसित किये जायेंगे। नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज और सौर तकनीक में निवेश भारत को कार्बन उत्सर्जन में कटौती और नेट-जीरो लक्ष्यों की ओर अग्रसर करेगा। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए फस्ट-टाइम एंटरप्रेन्योर स्क्रीम शुरू की गयी है, जिसके तहत 5 लाख महिला और एससी/एसटी उद्यमियों को दो करोड़ तक का ऋण मिलेगा। गिग इकॉनमी के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ई-श्रम पोर्टल पर गिग वर्कर्स का पंजीकरण किया जाएगा और उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य लाभ दिए जायेंगे।

बजट 2025-26 महज एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को सुरक्षित करने का रणनीतिक दृष्टिकोण भी है। यह उच्च मूल्य निर्माण, रोजगार सृजन, अनुसंधान नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने का एक सशक्त प्रयास है। हमारे लिए चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन यह व्यापक रूपरेखा भारत को समावेशी, सुदृढ़ और प्रगतिशील बनाने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करती है। यदि इन योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन किया जाता है, तो यह बजट भारत को एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

(लेखक : भाजपा नेता और आर्थिक मामलों के जानकार हैं।)

बजट

2025-26 महज एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को सुरक्षित करने का रणनीतिक दृष्टिकोण भी है।

कोल्हान की खबरें

सरायकेला सांपड़ा में बाबू दास पर अपराधियों ने की गोलियों की बौछार, स्थिति नाजुक

बाबू दास को 7 गोली लगने की बात सामने आ रही है क्षेत्र में दहशत का माहौल, जांच में जुटी पुलिस



सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बनने लगी है। बताया जा रहा है कि घटना की अंजाम देने के बाद भाग रहे अपराधियों की डिजायर कार संख्या JH05-2091 एनएच 33 पर चिलगू के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस कार में सवार अपराधियों की सुराग ढूँढने में जुट गयी है। आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने

बताया कि घटना रात के करीब 11 बजे की है। गोली चलने की घटना में अपराधकर्मी संतोष थापा के रिश्तेदार अज्जू थापा का नाम सामने आने की आशंका जतायी जा रही है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सभी चेकनाकों पर घेराबंदी कर कारवाही कर रही है। उधर सूचना मिलते ही एसडीपीओ समीर कुमार सवेया ने टाईमएच पहुंच कर घायल बाबू

दास से पूछताछ की। बाबू दास ने अज्जू थापा और आनंद दुबे द्वारा गोली मारने की जानकारी दी है। घटना में एक अन्य अपराधी देवाशीष दास का भी नाम सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से पांच खोखा बरामद की। बाबू दास को 7 गोली लगने की बात सामने आ रही है। घटना में तीन गोलियां उसके जांच, एक पेट, दो हाथ और एक गोली पसली को छूकर निकल गयी। हालांकि टाईमएच में डॉक्टरों ने पेट से गोली निकाल दी, लेकिन उसके बावजूद बाबू दास की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वैसे बाबू दास पर भी कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर अपराधियों की गिरफ्तारी में जुट गयी है।

झामुमो का कार्यकर्ता मिलन समारोह सह सदस्यता अभियान आज, सीएम हेमंत सोरेन हो सकते हैं शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले में बीते कई वर्षों से झामुमो का विधायक रहे चंपाई सोरेन के भाजपा में जाने के बाद चुनाव में झामुमो को यह सीट गंवाना पड़ा था। उधर भाजपा में रह कर कई बार झामुमो से चुनाव हारने वाले गणेश महाली खुद झामुमो का सिपाही बनने के बाद भी भाजपा (चंपाई सोरेन) से चुनाव हार गये। अब झामुमो नेता गणेश महाली जिले में एक बार फिर से जनता के बीच जाकर अपनी पहचान बनाने में जुटे हैं। उन्होंने सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में 9 फरवरी यानी रविवार को विशाल कार्यकर्ता मिलन समारोह सह सदस्यता अभियान का आयोजन किया। उन्होंने इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात



कर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही उन्होंने सांसद जोबा मांझी सहित मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री रामदास सोरेन, विधायक सविता महतो, दशरथ गगराई, निरल पूर्ति, सुखराम उड़ाव, समीर मोहनती, कुणाल सारंगी व अन्य गणमान्य लोग के साथ-साथ कार्यकर्ता और आम जनता को भी आमंत्रण दी

है। सभी ने कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिए। गणेश महाली ने बताया कि गांजियाबराज में होने वाले झामुमो का कार्यक्रम रविवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1:00 तक चलेगी। कार्यक्रम के दौरान सदस्यता अभियान भी चलाया जायेगा। उन्होंने आम जनता को भी कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा की संख्या में शामिल

होने के लिए अपील की। गणेश महाली ने कहा कार्यक्रम के माध्यम से झामुमो कार्यकर्ताओं को एकजुट और संगठन को मजबूत करना है, ताकि कार्यकर्ताओं में एक नयी ऊर्जा और समन्वय स्थापित हो सके। इसके साथ ही जिले में झामुमो का संगठन को और ज्यादा मजबूत किया जा सके।

वरिष्ठ नेता सच्चिदानंद के निधन पर भाजपा में शोक की लहर

महानगर ने रट किये सभी कार्यक्रम, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने जताया गहरा शोक



सच्चिदानंद राय की फाइनल फोटो।

आजाद सिपाही संवाददाता जमशेदपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी स्थापना के पश्चात वर्ष 1980 में कोल्हान के जिला संयोजक और सिंहभूम के जिला महामंत्री रहे सच्चिदानंद राय का शनिवार को निधन हो गया। वे 82 वर्ष के थे। बीते कुछ दिनों से टाटा मोटर्स अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वे हमेशा पार्टी के विस्तार और विचारधारा के प्रचार-

प्रसार में सक्रिय रहे। उनके निधन की जानकारी मिलने पर भाजपा में शोक की लहर दौड़ पड़ी। सभी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत कई

नेताओं ने गहरा शोक जताया। उधर उनके निधन पर भाजपा जमशेदपुर महानगर ने दिल्ली में पार्टी की प्रचंड जीत पर जिले में जश्न मनाने के सभी कार्यक्रम को रद्द कर दी। इससे पहले भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने बारीडीह विजया गार्डन स्थित उनके आवास में शोक संतप परिजनों से मुलाकात कर उनका ढांडस बंधाया और निधन पर शोक व्यक्त किया। रविवार को सुबह 10:30 बजे सच्चिदानंद राय के पार्थिव शरीर को साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय लाया जाएगा। जहां भाजपा कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई देंगे।

रंगदारी मांगने, हवाई फायरिंग के मामले में चार गिरफ्तार, एक पिस्टल बरामद



आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बीते दिनों पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांदा थाना अंतर्गत मुड़ाठाकरा गांव में पिस्टल का भय दिखाकर रंगदारी मांगने व हवाई फायरिंग करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने घटना में शामिल चार आरोपी को गिरफ्तार का न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में गुरु चरण कर्मकार उर्फ पुटकू कर्मकार, जीवन

कर्मकार उर्फ लादु कर्मकार, सोकेन कर्मकार और काशीनाथ कर्मकार शामिल रहे। जिसमें गुरु चरण कर्मकार का पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ गुड़ाबांदा थाने में हत्या का मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, दो कारतूस, दो मैगजीन, मोबाइल फोन सहित घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अन्य चार मोबाइल बरामद कर लिया।

दिल्ली चुनाव की जीत देश की दिशा और दशा को बदलेगी : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भाजपा के झारखंड प्रदेश प्रवक्ता अमरजीत सिंह काले ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी जाहिर की। परिणाम सामने आने पर उन्होंने कहा यह भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी, विकासोन्मुखी और सुशासन की नीति पर जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। यह ऐतिहासिक जीत स्पष्ट करती है देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन चुनावों में जनता ने झूठे वादों, भ्रष्टाचार और तृष्टिकरण की



और सुशासन चाहती है न की भ्रामक प्रचार और खोखले वादों पर आधारित राजनीति। भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं और संगठन की मजबूत रणनीति ने इस जीत को संभव बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भाजपा नेतृत्व, केंद्रीय नेतृत्व, सभी कार्यकर्ताओं और दिल्ली की जागरूक जनता का हृदय से आभार प्रकट करते हैं। यह जीत केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि नये भारत की दिशा तय करने वाला एक ऐतिहासिक गिनिय है। भारतीय जनता पार्टी अपनी जनसेवा की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए जनता के विश्वास पर पूरी निष्ठा से खरा उतरेगी।



दिल्ली में जीत पर भाजपा समर्थकों में जश्न का माहौल, मिठाइयां बांटी

झूठ का बोलबाला ज्यादा दिनों तक नहीं टिकता है : डॉ पातंजली

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत प्राप्त होने पर गढ़वा भाजपा के नेता डॉक्टर पातंजली केशरी ने हर्ष व्यक्त करते हुए केंद्रीय और दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी के शीर्ष नेताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आखिरकार जनमत ने साबित कर दिया कि झूठ का बोलबाला ज्यादा दिनों तक टिका का नहीं रह सकता है। सिर्फ आश्वासन की घुंटी पीकर जनता हमेशा के लिए झांसे में नहीं आने वाली है। यह बात प्रमाणिक तौर पर नयी दिल्ली से अरविंद केजरीवाल की हार और प्रदेश वमा की जीत के बाद साबित भी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मध्यम वर्ग के लोग



काफी संख्या में निवास करते हैं। 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कर छूट की घोषणा के साथ एक बार सेवा का मौका देने की मांग पर जनता जनार्दन ने दिल्ली राज्य का भी बागडोर जताया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ सबका विकास चाहते हैं। अब

देश के विकास की गति और बढ़ेगी और भारत विश्व गुरु की गरिमा पुनः प्राप्त करेगा। मौके पर डॉक्टर अब्दुल मन्नान, इशतियाक रजा, दामोदर राम, डॉक्टर मनोज दास, डॉक्टर आदित्य प्रकाश, डॉक्टर अंजली, सुनील कुमार, संगीता कुमारी, खुशी कुमारी, शुभम रंजन, मोहम्मद जावेद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा जो कहती है, वह करती है : ठाकुर महतो

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत होने पर भाजपा नगर मंडल गढ़वा अध्यक्ष उमेश कश्यप के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया। काली मंदिर से रंका मोड़ तक ढोल नगाड़ों के साथ दिल्ली की जनता मोदी की गारंटी पर विश्वास जताकर भाजपा को सत्ता में लाने का काम किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है। बहुत सारी जन कल्याणकारी योजनाएं भाजपा ने चला रखी हैं, जो हर वर्ग को लाभ पहुंचाने का काम किया जा रहा है।



नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप ने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार दिल्लीवासियों ने बनाने का काम किया है। दिल्लीवासियों को इसका लाभ मिलेगा। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है। इसी विश्वास को देखते हुए दिल्ली की जनता ने प्रचंड

बहुमत की सरकार बनाने का काम किया। मौके पर भाजपा जिला महामंत्री संतोष दुबे, उपाध्यक्ष संजय ठाकुर, गढ़वा पूर्वी जिला परिषद सदस्य अमृतांजलि दुबे, मनीष गुप्ता, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी गोवावल मंडल अध्यक्ष परीक्षित तिवारी समेत अन्य भाजपा नेता कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सगमा में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह, आतिशबाजी की

सगमा (आजाद सिपाही)। दिल्ली विधानसभा में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में भाव उत्साह, जगह-जगह आतिशबाजी कर अवीर गुलाल उड़ाया। भाजपा की जीत की खुशी में सगमा प्रखंड क्षेत्र सहित बिलासपुर बाजार में पार्टी कार्यकर्ताओं के द्वारा गगनभेदी नारों के बीच पार्टी के झंडा के साथ खुशी मनाया गया। सगमा में मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव के नेतृत्व में नारेबाजी कर रहे थे, जिसमें धर्मजित यादव रविरंजन यादव, राजेश बैठा, सखीचंद



प्रजापति, बबलू ठाकुर सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे, जबकि बिलासपुर बाजार में व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजेश कुमार जायसवाल के नेतृत्व में जुलूस निकालकर नारेबाजी के

साथ मिठाई वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्यरूप से बिनोद कुमार गुप्ता, निर्णय बैठा, महेंद्र जायसवाल, लालू कुशवाहा, रमेश, बलबीर, प्रांजु, धीरज, जितेंद्र, बुधन साह सामिल थे।

दिल्ली में भाजपा की जीत पर मेराल में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

मेराल (आजाद सिपाही)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर मेराल प्रखंड में पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। जीत की खुशी में पार्टी कार्यकर्ता प्रखंड मुख्यालय के अस्पताल चौक पर एकत्रित होकर जमकर नारेबाजी करते हुए आतिशबाजी की तथा एक दूसरे को अवीर गुलाल लगाकर तथा मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन वरिष्ठ नेता मुखिया वीरेंद्र नाथ तिवारी आदि नेताओं ने कहा कि दिल्ली के



लोगों ने भाजपा के नीतियों पर आस्था व्यक्त करते हुए दस साल तक जनता को ठगने वाली आप पार्टी के नेताओं को सबक सिखा दिया है। 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। अब यहां भी डबल इंजन का सरकार

काम करेगा। इस मौके पर मनोज जायसवाल, रूपु महतो, ज्ञान रंजन चौबे, युवा मोर्चा रामकांत गुप्ता, रोहित, उदय चंद्रवंशी, रामकुमार महतो, गणेश यादव, राधे श्याम यादव, मथुरा पासवान, आदि कई लोग थे।

राणाडीह गांव में मानस महायज्ञ का आयोजन

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्राम राणाडीह में श्रीराम चरित मानस नवाह पारायण पाठ महायज्ञ महोत्सव का विराट पैंतीसवां अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। प्रवचन सत्र के पांचवें दिन कानपुर से प्यारी मानस मंजरी रामकथा वाकिका पुष्पांजलि शुक्ला ने कहा कि जिस राम जी से सारा संसार कोंपता था, वे राम जी नदी किनारे केवट के पास स्वयं पहुंचे। उन्होंने कहा कि भक्ति के घाट पर जो बैठा जाता है, उसे भगवान को ढूँढ़ने नहीं जाना पड़ता है, बल्कि भगवान उसे ढूँढ़ते हुए स्वयं पहुंच जाते हैं। केवट भक्ति के सागर में डूबा हुआ था, इसलिए भगवान राम उसके पास पहुंचे। प्रवचन सत्र को पंडित सच्चिदानंद त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। यज्ञ को सफल बनाने में अध्यक्ष श्याम बिहारी दुबे, सचिव ब्रजमोहन मिश्रा, संरक्षक श्यामसुंदर शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय चौबे, भंडारी उपेंद्र चौबे सहित सभी ग्रामीण लगे हुए हैं। यज्ञ 12 फरवरी तक चलेंगा।

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्राम राणाडीह में श्रीराम चरित मानस नवाह पारायण पाठ महायज्ञ महोत्सव का विराट पैंतीसवां अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। प्रवचन सत्र के पांचवें दिन कानपुर से प्यारी मानस मंजरी रामकथा वाकिका पुष्पांजलि शुक्ला ने कहा कि जिस राम जी से सारा संसार कोंपता था, वे राम जी नदी किनारे केवट के पास स्वयं पहुंचे। उन्होंने कहा कि भक्ति के घाट पर जो बैठा जाता है, उसे भगवान को ढूँढ़ने नहीं जाना पड़ता है, बल्कि भगवान उसे ढूँढ़ते हुए स्वयं पहुंच जाते हैं। केवट भक्ति के सागर में डूबा हुआ था, इसलिए भगवान राम उसके पास पहुंचे। प्रवचन सत्र को पंडित सच्चिदानंद त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। यज्ञ को सफल बनाने में अध्यक्ष श्याम बिहारी दुबे, सचिव ब्रजमोहन मिश्रा, संरक्षक श्यामसुंदर शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय चौबे, भंडारी उपेंद्र चौबे सहित सभी ग्रामीण लगे हुए हैं। यज्ञ 12 फरवरी तक चलेंगा।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में दादा-दादी नाना-नानी दिवस का किया गया आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता गढ़वा। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में दादा दादी एवं नाना नानी दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में वर्ग प्रि नर्सरी, नर्सरी एवं प्रेप के बच्चों के दादा-दादी एवं नाना नानी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य डॉ

देना और बच्चों को बुजुर्गों की ताकत, जानकारी और मार्गदर्शन के बारे में जागरूक करने में मदद करना है। प्राचार्य ने कहा कि ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल गढ़वा में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सामाजिक परिवेश में ढालना तथा उनके सर्वांगीण विकास में वृद्धि करना है। कार्यक्रम में प्रेम के जहरा वासमीन के अधिभावक मोहम्मद अयूब, नर्सरी के आकाश पांडे के अधिभावक नागेंद्र पांडे, नर्सरी के विराज के अधिभावक विजय कोहली और नेहा कोहली ने अपनी-अपनी बात रखी और विद्यालय के द्वारा इस तरह की आयोजन करने की खूब प्रशंसा

कांडी में शतचंडी महायज्ञ 13 फरवरी से

केतार (आजाद सिपाही)। जिले के सुदूरवर्ती प्रखंड केतार अवस्थित सुप्रसिद्ध मां चतुर्भुजी शक्तिपीठ धाम के प्रांगण में शतचंडी महायज्ञ सह सामूहिक विवाह का आयोजन को लेकर सारी तैयारी अंतिम चरण में है। शतचंडी महायज्ञ सह सामूहिक विवाह के यज्ञकर्ता श्री श्री 108 श्री महंत रामेश्वर दास जी महाराज हैं। यह महायज्ञ 13 फरवरी से शुरू होगा। इस दिन दिव्य जलयात्रा, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश के साथ महायज्ञ प्रारंभ होगा। 20 फरवरी को 11 गरीब असाहाय बहनों का सामूहिक विवाह और 21 फरवरी को महायज्ञ की पूर्णाहुति, कन्या पूजन, भंडारा, संत ब्राह्मणों की विदाई समारोह के साथ महायज्ञ संपन्न होगा।

केतार (आजाद सिपाही)। जिले के सुदूरवर्ती प्रखंड केतार अवस्थित सुप्रसिद्ध मां चतुर्भुजी शक्तिपीठ धाम के प्रांगण में शतचंडी महायज्ञ सह सामूहिक विवाह का आयोजन को लेकर सारी तैयारी अंतिम चरण में है। शतचंडी महायज्ञ सह सामूहिक विवाह के यज्ञकर्ता श्री श्री 108 श्री महंत रामेश्वर दास जी महाराज हैं। यह महायज्ञ 13 फरवरी से शुरू होगा। इस दिन दिव्य जलयात्रा, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश के साथ महायज्ञ प्रारंभ होगा। 20 फरवरी को 11 गरीब असाहाय बहनों का सामूहिक विवाह और 21 फरवरी को महायज्ञ की पूर्णाहुति, कन्या पूजन, भंडारा, संत ब्राह्मणों की विदाई समारोह के साथ महायज्ञ संपन्न होगा।

पूर्व पंचायत स्वयं सेवकों का पंचायत सहायक के रूप में किया गया चयन

बड़गड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड अन्तर्गत सभी पंचायत भवन के सभागार में शुरूवार को झारखंड सरकार व गढ़वा जिला पंचायत राज पदाधिकारी के निर्देश पर मुखिया की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों के द्वारा सर्वसम्मति से प्रखंड में पूर्व से कार्यरत पंचायत स्वयं सेवकों को पंचायत सहायक के रूप में चयनित कर लिया गया है।

सदर पंचायत बड़गड़ में सोमा कुमारी, असित लकड़ा, नवनीत कुजूर को पंचायत सहायक चयनित किया गया। इसी तरह पंचायत मद्गड़ी (च) में पंचायत सहायक प्रवेज आलम, अनीता देवी का चयन किया गया। टेहरी पंचायत में सनिमा टोपो, उपेंद्र कच्छप का चयन किया गया। परसवार पंचायत में पंचायत सहायक आनंद कुमार, कमला देवी, राजु रंजन तिर्की, अमित कुमार सोनी का चयन किया गया। यहां बता दें कि वर्ष 2016 में झारखंड राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में प्रत्येक पंचायत में चार स्वयं सेवकों का चयन किया गया था। बड़गड़ प्रखंड में भी 16 पंचायत स्वयं सेवकों का चयन किया गया था।

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार क्र. सं. 19165 दिनांक 30.01.2025। मैं कुलदीप प्रसाद, पिता- सज्जु साव, अग्र लगभग 47 वर्ष, धर्म- हिन्दू, राष्ट्रीयता- भारतीय, निवासी ग्राम- डटमा बस्ती, पोस्ट- तोपा, थाना- माण्डू, जिला- रामगढ़ (झारखण्ड) शपथ पूर्वक निम्नलिखित बयान करता हूँ कि:-
1. यह कि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम जयदीप कुमार (JAYDEEP KUMAR) है जो कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र संख्या- 23/11-4711 5846 0420 में उसका नाम अनिमेष कुमार (ANIMESH KUMAR) अंकित हो गया है जो गलत है।
2. यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं-0-4711 5846 0420 में उसका नाम अनिमेष कुमार (ANIMESH KUMAR) दोनो एक ही व्यक्ति का नाम है जो मेरा पुत्र है।
3. यह कि जयदीप कुमार (JAYDEEP KUMAR) और अनिमेष कुमार (ANIMESH KUMAR) दोनो एक ही व्यक्ति का नाम है जो मेरा पुत्र है।
4. यह कि यह शपथ पत्र मैं अपने पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम सुधार कर सही नाम जयदीप कुमार (JAYDEEP KUMAR) दर्ज करवाने के लिए संबंधित पदाधिकारी को देने हेतु बना रहा हूँ।
5. यह कि उपरोक्त सभी बातें मेरी जानकारी में सत्य एवं सही हैं।

एसडीओ ने आधा दर्जन ईट-भट्टों की औचक जांच की अनुमति से अधिक क्षमता में ईटों का निर्माण न करें : एसडीओ

दो गट्टों में मिले बाल श्रमिक, मट्टु मालिकों पर प्राथमिकी दर्ज करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता गढ़वा। उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा सदर के नेतृत्व में शनिवार को छः ईट भट्टों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मेराल के ओखरगाड़ा स्थित एक भट्टे में तीन बाल श्रमिक और गढ़वा के बिकताम स्थित एक भट्टे में दो यानि कुल पांच बाल श्रमिक कार्यरत पाये गये। उक्त बाल श्रमिकों को एसडीओ के साथ मौजूद धावा दल द्वारा विमुक्त कराया गया। एसडीओ की ओर से बाल मजदूरी में लगे इन बच्चों के कारंसेलिंग और पुनर्वास के अलावा नियोजकों पर प्राथमिकी का निर्देश दिया गया। संबंधित



पदाधिकारियों द्वारा उनकी कारंसेलिंग और पुनर्वास के लिए प्रयास शुरू कर दिये गये हैं। इन दो भट्टों के अलावा जोबरौड़िया, चमराही, बेलचंचा आदि इलाकों में अवस्थित कुछ ईट भट्टों का भी निरीक्षण किया गया। यदि जांच के क्रम में कोई भी भट्टा नियम विरुद्ध संचालित पाया जाता है, तो उसे अवैध घोषित करते हुए भट्टा संचालक पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। सभी को निर्देश दिया गया कि वे न्यूनतम मजदूरी का भुगतान जरूर करें तथा श्रम विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही काम की शर्तें लागू करें। खनन विभाग द्वारा जितनी संख्या में ईटों के उत्पादन हेतु अनुमति मिली है उससे अधिक

संख्या में ईटों का उत्पादन नहीं करें। निरीक्षण के दौरान एसडीओ के साथ मौजूद श्रम-अधीक्षक और जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी द्वारा नियोजकों को सख्त चेतावनी दी गयी कि बाल श्रमिकों से कार्य कराना गंभीर अपराध है, तथा ऐसे मामले प्रकाश में आने पर उल्लंघन कर्ताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। निरीक्षण के दौरान संजय कुमार के साथ संजय आनंद श्रम अधीक्षक गढ़वा, राजेंद्र उरांव जिला खनन पदाधिकारी गढ़वा, अशोक नायक जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी गढ़वा, राजीव कुमार रवि परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्प लाइन गढ़वा और गणेश कुमार जिला समन्वयक एक्सेस टू जस्टिस प्रोजेक्ट लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान गढ़वा आदि मौजूद थे।

परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में सीड्स ऑफ इनोसेंस आइवीएफ सेंटर की सेवा उपलब्ध : डॉ नीतू सिंह



आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में सीड्स ऑफ इनोसेंस आइवीएफ सेंटर की सेवा उपलब्ध कराया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए परमेश्वरी मेडिकल सेंटर की डॉक्टर नीतू सिंह ने बताया कि परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में सीड्स ऑफ इनोसेंस आइवीएफ सेंटर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हमने अपना ओपीडी आइवीएफ सेंटर शुरू कर दिया है। प्रेस वार्ता कर उन्होंने बताया कि सीड्स ऑफ इनोसेंस जो कि प्रजनन उपचारों में एक अग्रणी नाम है अब गढ़वा के परमेश्वरी हॉस्पिटल में उपलब्ध है। जहां हम उन दंपतियों के लिए उन्नत प्रजनन समाधान प्रदान कर रहे हैं, जो बांझपन की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आइवीएफ केंद्र के रूप में हम उन्नत तकनीकी अनुभवी चिकित्सकों और संवेदनशील सहयोग के साथ उच्चतम स्तर की फर्टिलिटी देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी विशेष टीम का

नेतृत्व डॉक्टर गौरी अग्रवाल करेंगी जो एक प्रसिद्ध फर्टिलिटी विशेषज्ञ हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक दंपति को व्यक्तिगत और प्रभावी उपचार मिले ऐसा उनका पूरा प्रयास रहेगा। उन्होंने बताया कि हमारे स्थानीय ओपीडी में डॉक्टर कीर्ति जो कि रांची की रहने वाली हैं, डॉक्टर नीतू सिंह स्वयं और रागिनी कुमारी पेशेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संपूर्ण फर्टिलिटी सफर में यह पूरी टीम पेशेंट की सहायता करेंगे और इस प्रक्रिया को सहज और तनाव मुक्त बनायेंगे। डॉ नीतू सिंह ने बताया कि डॉक्टर गौरी अग्रवाल की विशेषज्ञ देखभाल, रागिनी कुमारी का व्यक्तिगत समर्थन और अत्याधुनिक तकनीक के साथ हम उन माता-पिता के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं जो अब तक निःसंतान हैं। उन्होंने इसके लिए मोबाइल नंबर भी जारी किया है। जिससे इच्छुक दंपति 9266 158 532 से संपर्क कर विशेष जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं-0-2, हजारीबाग

पत्रांक72/ हजारीबाग/ दिनांक - 08/02/2025 शुद्धि-पत्र इस कार्यालय द्वारा अमंत्रित निविदा सं- 12/2024-25 (PR 345638 Water Resources 24-25 #D) के विर्णित शर्तों के कंडिका 9.1 में "उपायुक्त स्तर से निर्गत चरित्र प्रमाण-पत्र" तथा कंडिका 9.2 में "GSTR-1" जमा करना अनिवार्य समझा जाए। निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी। H-0- कार्यपालक अभियंता जलपथ प्रमंडल सं-0-2, हजारीबाग। PR.NO.346124 Water Resource(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं-39/2024-25

- विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम :- कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
- परिमाण विपत्र विक्री की तिथि :- दिनांक 14.02.2025 के अपराह्न 1.00 बजे तक
- निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :- दिनांक 15.02.2025 को 3.00 बजे अपराह्न तक
- निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- दिनांक 15.02.2025 को अपराह्न 3.30 बजे
- परिमाण विपत्र विक्री का सीन :-1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में।
2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
- निविदा प्राप्ति का स्थान :-01)कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (₹0 में)	अग्रपन की राशि (₹0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (₹0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of A -Type No.10 in Near Carmel Chowk Hazaribag	184100/-	4000/-	500/-	10 दिन
2	Renovation of B -Type A -Block No.3 in Near Carmel Chowk Hazaribag	236200/-	5000/-	500/-	10 दिन
3	Emergent work of E-I Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag, for the year 2024-25 due to Change of Occupancy	170900/-	4000/-	500/-	10 दिन
4	Emergent work of Inner surface Building painting of Principal Family Judge residence situated at Forest colony (change of occupancy) at Hazaribag	249400/-	5000/-	500/-	10 दिन
5	Emergent work of repairing of washroom in residence of Principal Family Judge situated at Forest colony at Hazaribag	236100/-	5000/-	500/-	10 दिन
6	Renovation of B -Type A -Block No.5 in Near Carmel Chowk Hazaribag	232200/-	5000/-	500/-	10 दिन
7	Renovation of Block-B Quarter No.-6 in Magistrate Colony, DVC Chowk, Hazaribag	231900/-	5000/-	500/-	10 दिन
8	Emergent work of Repairing of Deep bore well in Earmarked Quarter of C.J.M., Hazaribag	203800/-	5000/-	500/-	10 दिन
9	E/R TO fourth Gared stief Quarter (sri arjun parsad) BCD, Sarvodaya Colony Located Near Carmel School at Hazaribag	249600/-	5000/-	500/-	10 दिन
10	E/R TO fourth Grade staff Quarter Near BCD office at Hazaribag	240500/-	5000/-	500/-	10 दिन
11	E/R TO fourth Grade staff Quarter Behind BCD office at Hazaribag	245500/-	5000/-	500/-	10 दिन
12	Renovation of A-Type Qtr No-08 Anita Kumari, fourth Grade staff (Treasury) Quarter near Sarvodaya colony Hazaribag	247500/-	5000/-	500/-	10 दिन
13	E/R TO E Type Quarter no-02 R.T.O Officer, Sarvodaya Colony at Hazaribag for the year 2024-25	247700/-	5000/-	500/-	10 दिन
14	Emergent work of Renovation of old Existing Staff Building in the residence of Principal District & session Judge Hazaribag	238800/-	5000/-	500/-	10 दिन
15	Emergent work of Renovation of Generator shed in the residence of Principal District & session Judge Hazaribag	196600/-	4000/-	500/-	10 दिन
16	Emergent work of Renovation of Toilet and PCC Path Connecting to old Police Barrack in the residence of Principal District & session Judge Hazaribag	236400/-	5000/-	500/-	10 दिन
17	Emergent work of Renovation of old Storage Room with Verandah in the residence of Principal District & session Judge Hazaribag	198200/-	4000/-	500/-	10 दिन
18	E/R TO D -Type Block -A Quarter no-01, Sarvodaya Colony at Hazaribag for the year 2024-25	230500/-	5000/-	500/-	10 दिन
19	Raising of Boundary wall in front of office in SDO Residence, Campus Barhi, Hazaribag	239500/-	5000/-	500/-	10 दिन
20	E/R to Raising of Boundary wall in front of PCC Road in SDO Residence, Campus Barhi, Hazaribag	240500/-	5000/-	500/-	10 दिन
21	Renovation of of Boundary wall (Secretary of Commissioner) Residence, Hazaribag	249500/-	5000/-	500/-	10 दिन
22	E/R TO D -Type Block -B, Quarter no-01, Sarvodaya Colony at Hazaribag for the year 2024-25	201500/-	5000/-	500/-	10 दिन

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
PR.NO.346091 Building(24-25):D
कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत पर विधायक और भाजपाइयों ने नरेंद्र मोदी को दी बधाई झूठ और भ्रष्टाचार अब इस देश में नहीं चलनेवाला : प्रकाश राम

आजाद सिपाही संवाददाता

बालूमाथ। दिल्ली विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी का 27 वर्षों के बाद प्रचंड जीत पर लातेहार विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रकाश राम और बालूमाथ प्रखंड के भाजपा के कार्यकर्ता जहां खुशियां मना रहे हैं। मौके पर विधायक प्रकाश राम ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी का कुशल नेतृत्व अमित शाह का कुशल चुनाव संचालन और जेपी नड्डा के मेहनत का यह परिणाम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक झूठ और अहंकारी सरकार का पतन यह दिखाता है, कि जनता अब जाग चुकी है। झूठ और भ्रष्टाचार अब इस देश में नहीं चलने वाला है। इसके लिए भाजपा की ओर से



विधायक प्रकाश राम।

शोष नेतृत्व और वहां के कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई दी है। कहा कि जिन्होंने राजधानी में कमल खिलाने का काम किया, वह बधाई के पात्र है। बधाई देने वालों में बालूमाथ मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा, रविंद्र सिन्हा, सुभन सिन्हा, रामकुमार गुप्ता, कृष्णा यादव, सुनील, अर्जुन, विजय, प्रेम प्रसाद, गोपाल, मनोज, गणेश्वर आदि शामिल थे।

जनता ने विकास चुना है : मनीर उरांव



लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष मनीर उरांव के नेतृत्व में शनिवार को पावरगंज चौक में दिल्ली में भाजपा की जीत पर जश्न मनाया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा कि यह जीत विकास और सकारात्मक विचारों के हैं जनता को भ्रम में रखकर बार-बार धोखा नहीं दिया जा सकता। जनता ने विकास चुना है। वहीं ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि भाजपा की प्रचंड जीत और कांग्रेस पार्टी की चौथी बार जमानत जप्त खलकर बंधा कर रही है कि जनता हर क्षेत्र से कांग्रेस को जानकारी चुकी है। जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, ओम प्रकाश सिंह, श्रीचंद्र प्रजापति, राज किशोर महतो, अजय कुमार पंकज देवाशीष कार, लाल निरंजन नाथ शाहदेव, तरुणा देवश्रीया, संजय कुमार, पशुपतिनाथ पारस, सरोज प्रजापति, मिथुन तमेड़ा, संजय वर्मन, भरत साहू, परमेश्वर भगत, योगेंद्र प्रजापति सहित अन्य उपस्थित थे।

दिल्ली में जीत पर बरवाडीह में भाजपाइयों ने मनाया जश्न

बरवाडीह। दिल्ली विधानसभा चुनाव और मिलकीपुर उपचुनाव में भाजपा की जीत पर बरवाडीह के भाजपाइयों ने जमकर जश्न मनाया। शहर के अंबेडकर चौक पर एकत्र हुए भाजपाइयों ने नारे लगाए। जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर व अबीर गुलाल लगाकर कर खुशी का इजहार



किया। भाजयुमो प्रखंड अध्यक्ष विकास सिंह के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला। भाजपा नेता

हासिल की है। उप प्रमुख सह भाजपा नेता बिरेंद्र जायसवाल ने कहा कि भाजपा सभी का विकास चाहती है, दिल्ली की जनता ने मोदी पर विश्वास किया। वहीं मौके पर मनोज यादव मनोज प्रसाद, बंटी ठाकुर, सोनू सरदारे, पारस जयसवाल, नंदलाल साव सुबोध, हरेंद्र समेत काफी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

कल से 15 फरवरी तक फाइलरिया की दवा का करें सेवन

सेन्हा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के अरु पंचायत अन्तर्गत काल्हेपाट गांव में मस्जिद के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलरिया से बचाव के लिए रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। फाइलरिया बीमारी का पूर्व से जानकारी होने से ठीक हो सकता है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर 10 फरवरी से 25 फरवरी तक अंगनवाडी केंद्र में स्वास्थ्य केंद्र और उपकेंद्र में फाइलरिया रोधी एमडिटी का दवा दिया जायेगा। मौके पर मुख्य रूप से जिला विवेकी पदाधिकारी रजनी लकड़ा, बीपीएम नरन्हा विकास फ्रांसिस खलन्हा, पिरामल संस्था से स्वाति, राज नांयण, गंडूर, महेश समेत ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

एचएस डीपीरियल पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह का आयोजन



कैरो (आजाद सिपाही)। कैरो प्रखंड के चरिमा में स्थित एचएस डीपीरियल पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं के छात्रों का विदाई समारोह मनाया गया। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को उनके स्कूली जीवन का अनुभव साझा करने का भी मौका मिला। समारोह में उपस्थित शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गयी। विद्यालय के प्रिंसिपल इशराद अंसारी द्वारा बच्चों को आने वाले भविष्य में धैर्य, लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करने का और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षकगण नामतः सुशांत कन्नक, सहाला, फूलमती अल्पत्र, संध्या, सुशीला, ममता सहित अभिभावक गण नामतः रामचंद्र साहू, खुशींद अंसारी, जाकिर, अय्यूब, सरोज आदि उपस्थित थे।

दुष्कर्म मामले में सलिस दूसरा आरोपी गिरफ्तार

सेन्हा-लोहरदगा (आजाद सिपाही)। दुष्कर्म मामला में सलिस दूसरे आरोपी को सेन्हा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में लोहरदगा जेल भेजा गया। विदित हो कि सेन्हा थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आते ही सेन्हा पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। परंतु कांड में बदला निवासी स्वर्गीय गोविंद राम के 19 वर्षीय पुत्र रिशेश राम का सलिस होने की पुष्टि के पश्चात गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेजा गया।

वनवासियों ने अपने हक और अधिकार को लेकर छिपादोहर वन कार्यालय का किया घेराव, दिया मांग पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। शनिवार को संयुक्त ग्राम सभा मंच के बैनर तले पूर्वी जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेता कन्हई सिंह के नेतृत्व में पलामू क्यान्न परिवोजना के छिपादोहर व इसके आसपास के लात, चुंगरू, हरापू, केड, कुचिला, छिपादोहर, मोरवाईकला, पंचायत के विभिन्न गांव के सैकड़ों की संख्या में शामिल वनवासियों ग्रामीणों ने छिपादोहर पूर्वी वन क्षेत्र कार्यालय का घेराव किया। कार्यक्रम से पूर्व पीटीआर वन क्षेत्र के ग्रामीण रैलवे स्टेशन ओवर ब्रिज से एक विशाल आक्रोश पूर्ण जुलूस निकाला जिसमें शामिल सभी वनवासियों ने वन विभाग की मनमानी नहीं चलेगी, वनवासियों को जल जंगल पर अधिकार दो,



केदु पत्ता तुड़ाई का ग्राम सभा को अधिकार सुनिश्चित करो, सामुदायिक और व्यक्तिगत वन पट्टा देना देना सुनिश्चित करो आदि नारा लगाते हुए छिपादोहर बाजार समेत सभी मार्ग से आक्रोश पूर्ण जुलूस भ्रमण कर छिपादोहर पूर्वी वन क्षेत्र कार्यालय का घेराव करते हुए वन परिसर में धरना पर बैठ गये। इसके उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जेप सदस्य कन्हई सिंह ने कहा कि वन क्षेत्र में रह रहे सभी वनवासियों को जल,

अनुपस्थिति में प्रभारी वनपाल नवीन कुमार प्रसाद ने मांग पत्र लेते हुए, उनकी मांगों को वन विभाग के अधिकारियों तक पहुंचाते हुए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। दिये गये मांग पत्र में केदु पत्ता के मौसम वर्ष 2025 में ग्राम सभा के माध्यम से संग्रहण और विपणन करने, अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 लागू करने, वन क्षेत्र छिपादोहर पूर्वी के द्वारा सभी गांव के सीमा के अंदर सभी लघुवन उपजों को ग्राम सभा को प्रबंधन विपणन और संवर्धन करने आदि शामिल है। कार्यक्रम में मुंद्रिका सिंह, अरुण उरांव, धीरज प्रसाद, कुती देवी समेत सैकड़ों की संख्या में वनवासी शामिल थे।

ओड़िशा सुभद्रा योजना से करीब एक करोड़ महिलाएं जुड़ीं 18 लाख नये लाभार्थी को 5000 रुपये मिले

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सुभद्रा योजना के चौथे चरण की पहली किस्त शनिवार को जाजपुर में वितरित की गयी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जाजपुर में ओड़िशा की सबसे बड़ी महिला सशक्तिकरण योजना सुभद्रा के तहत 18 लाख नये लाभार्थियों को 5 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी। ये सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी गयी है। जहां पिछले तीन चरणों में 80 लाख महिलाओं को पहली किस्त मिल चुकी है, वहीं आज समेत चार चरणों में सुभद्रा योजना के तहत 98 लाख महिलाओं को सहायता मिल चुकी है। इस सहायता राशि को प्रदान करने के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सुभद्रा योजना के तहत माताओं को 5 वर्षों में 50,000 रुपये की 2 किस्तों में 10,000 रुपये का भुगतान करने का प्रावधान किया गया है। इस सहायता राशि को देने का उद्देश्य माताओं को विकास में भागीदार बनाना है। मुख्यमंत्री ने माताओं को इसे पारिवारिक खर्चों में लगाने के बजाय विभिन्न व्यवसायों में निवेश करने की सलाह दी है।



शक्ति और प्रतिभा का उपयोग करके सामाजिक प्रगति को गति देना है। इसके लिए माताओं को विभिन्न व्यावसायिक कौशल सीखने होंगे। विभिन्न व्यवसायों में कौशल विकसित करने की भी आवश्यकता है। राज्य सरकार ने माताओं के कौशल को विकसित करने के लिए हाल ही में आयोजित उत्कर्ष ओड़िशा कार्यक्रम में विश्व कौशल केंद्र और आइआइएम संबलपुर के साथ समझौता किया है। आनेवाले दिनों में और संस्थान जोड़े जायेंगे। उन्होंने कहा कि माताएं सफल उद्यमी बन सकती हैं, यदि वे व्यवसाय करने की कला सीख लें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक प्रगति से विकसित ओड़िशा का सपना पूरा होगा। सुभद्रा योजना से महिलाओं को समाज में एक अलग पहचान मिल रही है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं।

सुभद्रा योजना ओड़िशा की माताओं-बहनों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लायेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुभद्रा योजना ने महिला सशक्तिकरण के सपने को साकार किया है। हमारे राज्य की माताएं-बहनें विकसित ओड़िशा की सारथी बनेंगी। सुभद्रा योजना से महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और राज्य की आर्थिक प्रगति में महिलाओं की भागीदारी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां जाजपुर जिले ने ओड़िशा के औद्योगिक रूप से समृद्ध जिले के रूप में ख्याति प्राप्त की है। वहीं स्वतंत्रता संग्राम से लेकर कला, साहित्य, संस्कृति और पर्यटन तक सभी क्षेत्रों में जाजपुर की विशिष्ट पहचान है। जाजपुर अपनी विरासत के साथ विकास की राह पर अग्रसर है। सुभद्रा योजना में जिले की कुल 4.94 लाख से अधिक माताएं-बहनें शामिल हुईं

हैं। उनमें से 3.75 लाख से अधिक महिलाओं को धनराशि की पहली किस्त मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि चौथे चरण की पहली किस्त में जाजपुर जिले के 79 हजार से अधिक लाभार्थियों को यह सहायता राशि दी गयी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रभाती परिडा ने कहा कि सुभद्रा कोई योजना नहीं है। यह आने वाले दिनों में महिलाओं के लिए जीवन का साधन बनेगी। राज्य सरकार ने प्रदेश में महिलाओं के हितों के लिए सदैव महिलाओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि मां सुभद्रा की शक्ति से ओड़िशा की सभी माताएं और बहनें मजबूत होनी चाहिए। उक्त कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ मुकेश महालिंग, समवाय, हस्तशिल्प एवं वस्त्र उद्योग, हस्तशिल्प प्रदीप बलसामत, कोरेंड विधायक आकाश दासनायक, बडचना विधायक अमर नायक, धर्मशाला विधायक हिमांशु शर्मा साहू, प्रमुख रूप से उपस्थित थे। महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्य प्रशासिक सचिव शुभा शर्मा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि जाजपुर जिला कलेक्टर पी अन्वेष्ठा रेड्डी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पेंशन को लेकर ओड़िशा के मुख्यमंत्री ने किया बड़ा एलान न्यूनतम 10,000 रुपये पेंशन मिलेगी

अंत्योदय आवास योजना पर भी मुहर लगायी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कैबिनेट की बैठक में शुक्रवार को 11 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है। इसमें अंत्योदय आवास योजना पर मुहर लगी। इस योजना के तहत सरकार 3 साल में 2 लाख 25 हजार घर देगी। लाभार्थी को घर के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये मिलेंगे। यदि कोई लाभार्थी 4 महीने में घर पूरा कर लेता है, तो सरकार 20,000



का बोनस देगी। इसके अलावा 6 महीने पूरे होने पर 10,000 रुपये का बोनस भी मिलेगा। सरकार इस योजना पर 7,550 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा कैबिनेट ने राज्य के 314 प्रखंडों

में प्रखंड स्तर के स्टेडियमों के निर्माण का निर्णय लिया। यह बताया गया है कि स्टेडियम 5 वर्षों में 4124 करोड़ की लागत से बनाया जायेगा। कैबिनेट ने राज्य में एकीकृत पेंशन योजना लागू करने का भी निर्णय लिया। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सरकारी कर्मचारियों को न्यूनतम 10 हजार रुपये पेंशन मिलेगा। मुख्यमंत्री की जानकारी के मुताबिक केंद्रीय कैबिनेट ने यूनिफाइड पेंशन योजना को मंजूरी दे दी है। यह 2025 अप्रैल से लागू

किया जायेगा। ओड़िशा सरकार ने भी सरकारी कर्मचारियों के लिए इस योजना को लागू करने का फैसला किया है। सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन जैसे विभिन्न मुद्दों पर विभिन्न संगठनों की मांगों को देखते हुए केंद्र द्वारा एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दी गयी है। ओड़िशा सरकार ने भी एकीकृत पेंशन योजना के लिए ओड़िशा को अपनी सहमति दे दी है। एकीकृत पेंशन योजना उन सरकारी कर्मचारियों पर लागू होगी जो एनपीएस या राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत पेंशन के लिए पात्र हैं।

प्रो दीपक कुमार साहू बने वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्यपाल और कुलाधिपति डॉ हरि बाबू कंभरपाटी ने प्रो दीपक कुमार साहू को वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बुर्ला का कुलपति नियुक्त किया है। 59 वर्षीय प्रोफेसर साहू वर्तमान में कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीयूएसएटी) के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। ओयूटीआर में बीएससी इंजीनियरिंग (सिविल) के बाद,



प्रोफेसर साहू ने सीयूएसएटी में एमटेक और आइआइटी रुड़की से पीएचडी की। बाद में प्रोफेसर साहू ने भी एलएलबी किया। प्रो साहू के पास शिक्षण का 24 साल का

अनुभव और प्रोफेसर के रूप में 14 साल का अनुभव है। प्रोफेसर साहू के पास अध्यक्ष, विभाग के प्रमुख, अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष, संकाय के डीन, शैक्षणिक परिषद के सदस्य और सीनेट के सदस्य के रूप में प्रशासनिक अनुभव है। अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों में प्रो साहू ने एक पुस्तक प्रकाशित की है। एक पुस्तक का संपादन किया है और छह शोध पत्रों की समीक्षा की है और 35 जर्नल और पुस्तक संदर्भ प्रकाशनों में योगदान दिया है।

दिल्ली में भाजपा की जीत पीएम मोदी की गारंटी की जीत है : लक्ष्मण प्रसाद सिंह



धनवार (आजाद सिपाही)। दिल्ली में भाजपा की जीत पीएम मोदी की गारंटी की जीत है। दिल्ली की जनता ने न सिर्फ भाजपा को प्रखंड बहुमत दिया, बल्कि आम आदमी पार्टी के बड़े चेहरों को भी हरा कर बताया है कि उन्हें विकास और सुशासन वाली सरकार ही चाहिए। दिल्ली की जनता अब आम आदमी पार्टी के झंसे में नहीं आना चाह रही थी और भाजपा की डबल इंजन की सरकार चाह रही थी। यह जीत पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'डबल इंजन की भाजपा सरकार' की लोक-कल्याणकारी नीतियों के प्रति आमजन के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

डिजिटल लर्निंग को मजबूत करने के लिए किस में स्वयं आउटरीच कार्यशाला आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (किस) द्वारा ओड़िशा सरकार के सहयोग से स्वयं आउटरीच कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। कार्यशाला में शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों के साथ ओड़िशा, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के प्रतिभागियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में, कालीप्रसन्न महापात्र निदेशक उच्च शिक्षा विभाग ओड़िशा सरकार ने भारत के भविष्य को आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत विकसित हो



रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी शिक्षा प्रणाली समकालीन जरूरतों के अनुकूल हो। शिक्षा, रोजगार और पर्यावरणीय स्थिरता में चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, उन्होंने स्वयं पहल की सराहना करते हुए इसे एक शानदार विचार बताया, जो छात्रों को अधिक रोजगार योग्य बनायेगा। उन्होंने एनईपी के स्वाभाविक विस्तार के रूप में स्वयं की भूमिका पर जोर देते हुए सभी विश्वविद्यालयों और संस्थानों से स्वयं को अपने शैक्षणिक ढांचे में एकीकृत करने का आग्रह किया।

रेखांकित किया: भारत को एक ज्ञान महाशक्ति में बदलना, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा सुनिश्चित करना, सफल नामांकन आयुक्त (जोईआर) बढ़ाना और डिजिटल पाठ्यक्रमों को मुख्याध्यापक के पाठ्यक्रम में शामिल करना। उन्होंने आग्रह किया, शिक्षाविदों के रूप में हमें स्वयं के प्रस्तावों को समझना चाहिए और एक समवेशी शिक्षा प्रणाली बनाने के लिए उन्हें अपने पाठ्यक्रमों में शामिल करना चाहिए। किस डीयू के कुलपति प्रो दीपक बेहेरा ने स्वयं को अपने शैक्षिक मॉडल में एकीकृत करने के लिए किस-डीयू की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। किस में, हम पहले ही स्वयं पाठ्यक्रमों में 1,200 से अधिक छात्रों को नामांकित कर चुके हैं। हम यूजीसी स्वयं विनियम 2021 को अपना रहे हैं और जल्द ही इन पाठ्यक्रमों के लिए परिसर में परीक्षा आयोजित करेंगे।



मैट्रिक और इंटर की परीक्षा 11 फरवरी से, 67,262 परीक्षार्थी होंगे शामिल

सीसीटीवी की निगरानी में 76 केंद्रों पर मैट्रिक और 40 केंद्रों पर होगी इंटरमीडिएट की परीक्षा

परीक्षा को लेकर हुई बैठक, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा की सौंपी गयी जिम्मेवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड अधिविद्य परिषद रांची की ओर से वार्षिक माध्यमिक परीक्षा एवं वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा 11 फरवरी से शुरू हो रही है, जो तीन माच तक संचालित होगी। माध्यमिक परीक्षा में 34665 एवं इंटरमीडिएट कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों की परीक्षा में 32597 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इस प्रकार दोनों परीक्षाओं में 67262 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। माध्यमिक परीक्षा के लिए पलामू जिले में 76 परीक्षा केंद्र निर्धारित किये गए हैं। जबकि इंटर परीक्षा के लिए 40 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में नगर आयुक्त जावेद हुसैन एवं डीडीसी व अन्य वरीय पदाधिकारियों ने सभी उड़नदस्ता-सह गश्ती



बैठक में शामिल डीडीसी, नगर आयुक्त और अन्य गणमान्य लोग।

दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, उड़नदस्ता एवं गम्ती दल पदाधिकारी केंद्राधीक्षक और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों के साथ बैठक की जिसमें परीक्षा से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा एवं सजगतापूर्वक करने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने कहा कि परीक्षाओं का संचालन निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त संपन्न कराना सभी की जिम्मेवारी है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए झारखंड परीक्षा संचालन

अधिनियम, 2001 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय एवं समय प्रबंधन के साथ कार्य करने का निदेश दिया। केंद्राधीक्षकों को परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी लगाने के सख्त निर्देश दिये। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पीने के शुद्ध पानी, रनिंग वाटर युक्त छात्र एवं छात्राओं के लिए शौचालय, परीक्षा कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पर्याप्त फर्नीचर (बेंच-डेस्क) आदि आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बहाल रखने का निदेश

प्रथम पाली में माध्यमिक और द्वितीय पाली में होगी इंटरमीडिएट की परीक्षा

माध्यमिक परीक्षा प्रथम पाली में 9.45 बजे सुबह से दोपहर एक बजे तक होगी। जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) की परीक्षा दोपहर दो बजे शाम 5.15 बजे तक आयोजित होगी। 11 फरवरी 2025 से शुरू होकर दोनों परीक्षाएं तीन मार्च तक चलेगी।

दिया। वहीं आवंटित रोल नंबर-रोल कोड के अनुरूप परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्रों पर निषेधाज्ञा लागू की गई है। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। निषेधाज्ञा परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित तिथि को ही लागू होगा। परीक्षा से संबंधित व्यक्तियों के अलावे अन्य किसी की उपस्थिति निषेध रहेगा। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन की जिम्मेवारी केंद्राधीक्षक की है। कोई अव्यवस्था नहीं हो, इसके लिए लिए सतर्कता बरतें। किसी परीक्षार्थी की परीक्षा बाधित ना हो या परीक्षा देने से वंचित नहीं रहे,

इसका पूरे तत्परता के साथ ध्यान रखा जाये। परीक्षा में लगाये गये वीक्षकों को केंद्राधीक्षकों द्वारा परिचय पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया, ताकि उनका पहचान हो सके। इससे परीक्षा केंद्र में अनावश्यक रूप से किसी अन्य व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने में मदद मिलेगी। बैठक का संचालन एवं विषय प्रवेश जिला शिक्षा पदाधिकारी ने किया। मौके पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिविल सर्जन, कोषागार पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जिला शिक्षा अधीक्षक आदि मौजूद थे।

लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज में लागू हुई आयुष्मान भारत योजना

पांच लाख तक की दवा-उपचार से लेकर ऑपरेशन तक होगा मुफ्त

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत योजना पूरी तरह से लागू हो गया है। अब यहां पांच लाख रुपये तक के इलाज मुफ्त में होंगे। जिसमें जांच, दवा, उपचार से लेकर ऑपरेशन तक शामिल है। इसकी जानकारी एलसीएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ विवेक कश्यप ने दी। उन्होंने बताया कि ऑर्थोपेडिक विभाग की ओर से सभी प्रकार की हड्डी संबंधित बीमारियों का इलाज व ऑपरेशन की व्यवस्था उपलब्ध



है। जिसमें फ्रैक्चर, घुटनों और रीढ़ की सर्जरी, जोड़ प्रत्यारोपण सहित कई जटिल ऑपरेशन शामिल है। स्त्री व प्रसूति विभाग की ओर से नॉर्मल डिलेवरी, सिजेरियन

ऑपरेशन, गर्भाशय ऑपरेशन सहित महिला संबंधित सभी बीमारियों का इलाज के लिये विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम अस्पताल में मौजूद है। डॉ कश्यप ने यह भी बताया कि सर्जरी विभाग द्वारा गोल ब्लाडर स्टोन, हार्निया, हाइड्रोसील, सिस्ट व ऑपरेंडिस, फिस्टुला, फिशर, बवासीर ऑपरेशन लेजर और स्टेपलर दोनों पद्धति से उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अत्याधुनिक उपकरणों से विभिन्न रोगों का जांच व इलाज की संपूर्ण सुविधा इस अस्पताल में उपलब्ध है।

प्रखंड - अंचल कार्यालय में पैसे उगाही का खेल बंद नहीं हुआ, तो होगा चरणबद्ध आंदोलन: सुनील

10 दिनों में सुधार नहीं दिखने पर कार्यालय में तालाबंदी करने की दी गयी चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर/पलामू। प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को उप प्रमुख सुनील सिंह की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि अधिकारियों द्वारा अंचल व प्रखंड कार्यालय में अनुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना में एलपीसी ऑनलाइन म्यूटेशन व बालू ढुलाई के लिए पैसों की घड़ल्ले से अवैध उगाही को कड़ा विरोध किया जाएगा। अगर 10 दिनों के भीतर इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो प्रखंड व अंचल कार्यालय में सभी पंचायत समिति ताला बंदी करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि सभी पंचायत समिति अधिकारियों के खिलाफ प्रखंड से जिला तक धरना प्रदर्शन



करेंगे। जब तक भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगेगा तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। उप प्रमुख सुनील सिंह ने कहा कि आवास योजना सरकार का पूर्ण हो इसके लिए अधिकारी ग्रामीण जनता को परेशान ना करें। लोगों को आवास बनाने के लिए अधिकारी बालू का उठाव करने दें। आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय के कर्मचारी से लेकर उपर तक के अधिकारी पैसों की उगाही करने में लगे हैं। वैसे अधिकारी सुधार जाए। चैनपुर में

भ्रष्टाचार बर्दास्त नहीं किया जाएगा। भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगेगा तो लगातार धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। बैठक में पंसस कविता देवी, सोनी देवी, सरिता देवी, लालजी चौधरी, कमल किशोर चौरसिया, अमरजीत चौधरी, शुकुल रम, वसिद अंसारी, पंसस पति संजय चौरसिया, बबलू चौरसिया, बबन चौधरी, संदीप तिवारी, अखिलेश यादव, विजय चौरसिया, नवल तिवारी आदि शामिल थे।

मैट्रिक-इंटर की परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्रों पर रहेगी निषेधाज्ञा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। मैट्रिक-इंटर की परीक्षा 11 फरवरी से शुरू होकर तीन माच तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर संचालित होगी। इसे लेकर सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा एवं हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार झा अपने अधिकारिता क्षेत्र अंतर्गत पढ़ने वाले परीक्षा केंद्रों पर निषेधाज्ञा लागू कर दिये हैं। लोक परिषाति भंग होने की संभावना को लेकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए संबंधित परीक्षा केंद्रों के 100 की परिधि में परीक्षा की तिथि को परीक्षा के दौरान बीएनएसएस के अंतर्गत निषेधाज्ञा घोषित किया है। सदर अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत 50

विभिन्न परीक्षा केंद्र एवं हुसैनाबाद अंतर्गत 13 विद्यालयों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा के तिथि को परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटा पूर्व (सुबह 7.45 बजे) से और परीक्षा समाप्त होने के दो घंटा बाद (शाम 7.20 बजे तक) तक भानासुस की धारा 163 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू किया गया है। इसके तहत परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के अंदर कोई भी व्यक्ति घातक हथियार लाठी (वृद्ध एवं दिव्यांग)।को छोड़कर भाला, गड़ासा, छुरा, अग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेगा। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के अंतर्गत पांच अथवा पांच से अधिक व्यक्ति एक साथ

मजमा बनकर नहीं चलेगा। दाह-संस्कार, धार्मिक एवं शादी-विवाह के जुलूस पर लागू नहीं होगा। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के परिधि के अंदर कोई भी संस्था-व्यक्ति द्वारा बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग वर्जित होगा। परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/वीक्षक/परीक्षार्थी/पुलिस बल को छोड़कर कोई भी व्यक्ति परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में नहीं जायेगा। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में कोई भी व्यक्ति मटरपत्थी नहीं करेगा या चिट-पूजा, प्रचण्ड विवर्तित नहीं करेगा। यह निषेधाज्ञा संबंधित परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित तिथि को ही लागू होगा।

एनटीपीसी ने फलदार पौधों का वितरण किया

आजाद सिपाही।

एनटीपीसी की केरेडारी कोवला खनन परियोजना के द्वारा परियोजना प्रभावित गांवों में एक हजार पौधों का रोपण किया गया जिससे किसानों और ग्रामीणों को होगा दीर्घकालिक लाभ मिलेगा व पर्यावरण का भी संरक्षण होगा एनटीपीसी केरेडारी कोल माइनिंग परियोजना ने अपने नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के तहत पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। परियोजना प्रभावित गांवों मनातू, तरेहसा, उदा, बेंगवारी, बालेदेवरी और लोचर में एक हजार फलदार पौधों का वितरण किया गया। इनमें आम, शरीफा, नींबू, अमरूद और लीची के पौधे शामिल हैं, जो आने वाले वर्षों में किसानों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए आय का एक नया

स्रोत बनेंगे यह पहल न केवल हरित आवरण को बढ़ाने में सहायक होगी बल्कि किसानों को उनके कृषि कार्यों में आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद करेगी। इसके तहत एनटीपीसी केरेडारी ने किसानों को वर्मीकम्पोस्ट का भी वितरण किया और उन्हें बेहतर खेती एवं पौधारोपण तकनीकों पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र प्रदान किया। इस प्रशिक्षण में मृदा की उर्वरता बढ़ाने, जैविक खेती अपनाने और पौधों की उचित देखभाल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। एनटीपीसी केरेडारी परियोजना के प्रमुख शिव प्रसाद ने बताया कि यह एक दीर्घकालिक परियोजना है जिसका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने स्थानीय किसानों और युवाओं से भी इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी में हुसैनाबाद-विश्रामपुर में मना जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद/विश्रामपुर। दिल्ली विधानसभा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर हुसैनाबाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं। भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि अखिलेश्वर मेहता ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी गारंटी की है, जिसपर जनता के विश्वास जाता है। दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल के झूठे वादों से परेशान थी। इस चुनाव में जनता ने अहंकार और अराजकता को नकारते हुए



भाजपा के सुशासन को चुना है। वहीं, भाजपा नेता उदयनाथ विश्वकर्मा ने कहा कि दिल्ली चुनाव के परिणाम बता रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी लोगों के दिलों में बसते हैं। झूठ और फरेब की करारी शिकस्त हुई है। मौके पर भाजपा के वरीय नेता रामप्रवेश सिंह, श्रवण कुमार अग्रवाल, रामचन्द्र चौधरी, उदयनाथ विश्वकर्मा, चंदन सिंह,



सचिन कुमार, रविंद्र कांस्यकार, राजीव ठाकुर, सुबोध कश्यप आदि मौजूद थे। दूसरी ओर, दिल्ली में जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने विश्रामपुर में विजय जुलूस निकाला। जिसकी शुरुआत बस स्टैंड से हुई। नगर भ्रमण के बाद जुलूस अस्पताल चौक पहुंचा, जहां सभा में तब्दील हो गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबीर



गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। जमकर आतिशबाजी भी की। वरीय भाजपा नेता शिवबंश मिश्रा ने कहा कि यह जीत कोई अप्रत्याशित नहीं है। पार्टी नेतृत्व से लेकर दिल्ली के हर एक कार्यकर्ताओं के कटिण परिश्रम का परिणाम है। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री

अमित शाह व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के जमनीनी स्तर पर कार्य करने से मिला है। मौके पर मनीष कुमार, अनुज चौधरी, विकास चौबे, पंकज कुमार लाल, महेंद्र कुमार, शंकर चंद्रवंशी, रजनीश कुमार चंद्रवंशी, गोपाल सोनी, टिकू चंद्रवंशी, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, भिखारी साव आदि थे।

सड़क दुर्घटना में अर्धेड़ की मौत

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग -22 चतरा डोभी मुख्य मार्ग स्थित डुमरी गांव के समीप एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 50 वर्षीय अर्धेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मृतक हंटरगंज के बेला गांव निवासी 50 वर्षीय सरयू साव को सड़क के किनारे घायलवस्था में पड़ा हुआ देखा, जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर सड़क के किनारे पड़े व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लायी। जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर रहने के कारण मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

जिला गव्य विकास की ओर से मुखिया का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित मुखिया नहीं ले सकते मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना का लाभ: दीनबन्धु गुप्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। पलामू जिला गव्य विकास कार्यालय की ओर से द्वारा हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी दीनबन्धु गुप्ता की अध्यक्षता में मुखिया का एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। इस दौरान प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी ने पंचायत के प्रतिनिधियों को ग्रामीणों को प्रेरित करने के लिए योजना को



ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल अधिकारी और मुखिया।

विस्तार प्से बताया। कहा कि पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना ग्रामीणों के लिए काफी लाभदायक

है। जिसमें गाय, बकरी, सुकर आदि पालन हेतु ग्रामीणों को प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को समृद्ध बनाने

और आय में वृद्धि के लिए 75 से 90 फीसदी अनुदान का प्रावधान है। उन्होंने पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य के लिए टीकाकरण आवश्यक बताया किंतु इस योजना का लाभ स्वयं मुखिया या उनके परिवार लाभ नहीं ले सकते हैं। इस मौके पर मुखिया विनय सिंह, कमला देवी, उषा देवी, नीतू कुमारी, संदीप यादव और मुखिया प्रतिनिधि सतेंद्र महता, सनोज गुप्ता आदि उपस्थित थे।

मोनी देवी अध्यक्ष और अंकू देवी बनीं संयोजिका

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। पीपरा प्रखंड क्षेत्र के सरैया पंचायत अंतर्गत राजकीय उन्नतमिद मध्य विद्यालय में शनिवार को प्रबंधन समिति की पुनर्गठन को लेकर ग्राम सभा आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता पर्यवेक्षक मिंजुन कुजूर ने की। इसमें 12 सदसीय समिति का गठन किया गया। इस दौरान मतदान के माध्यम से मोनी देवी को अध्यक्ष और अंकू देवी माता समिति की संयोजिका निर्वाचित हुईं। वहीं चार पदेन सदस्यों में प्रधानाध्यापक



शशिकांत त्रिपाठी, शिक्षक प्रतिनिधि बृजबिहारी तिवारी का नाम शामिल हैं। इस मौके पर नरगिस परवीन, पूनम देवी,

मेहनाज परवीन, सीमा देवी, धर्मंद तिवारी, गुलाम हैदर, विनोद राम, सरयू मेहता, उषा देवी, लल्लू राम आदि उपस्थित थे।

माता वैष्णो देवी मंदिर का 34वां वार्षिकोत्सव भंडारा के साथ संपन्न

आजाद सिपाही।

शहर के इंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में माता की प्रतिमा की स्थापना का 34वां वार्षिकोत्सव शनिवार को माता के भंडारा के साथ संपन्न हुआ। माता का वार्षिकोत्सव बीते 3 फरवरी को कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ था। छह दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान रवि खोसला व उनकी पत्नी रीतु खोसला थीं। सभी धार्मिक अनुष्ठान पंडित गोविंद बल्लभ शर्मा व उनके सहयोगी पंडित लीलाधर शर्मा, किशोर शर्मा, मुरारी मोहन शर्मा, राजेश पांडेय, उषेंद्र पांडेय, सत्येंद्र द्विवेदी, अंकित पाठक ने करवाया। शनिवार को हवन, कंजक पूजन व अन्य धार्मिक अनुष्ठान के बाद माता का अटूट भंडारा किया गया। जिसमें पूरे रामगढ़ जिले के लगभग 15 हजार लोगों ने माता के भंडारे का प्रसाद बैठकर ग्रहण किया। इससे पूर्व शुक्रवार की रात माता वैष्णो देवी मंदिर में चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों के क्रम में माता की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं व मंदिर ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए 2 विक्टल दूध से मुख्य यजमान रवि खोसला व उनकी पत्नी रीतु खोसला ने माता की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक कराया।



शराब पर प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली करनेवाले विक्रेताओं-सेल्समैन का दुस्साहस खबर संग्रह करने गये पत्रकारों पर हमला, अपहरण की कोशिश

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने की कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिले के अधिकांश सरकारी शराब दुकानों पर विक्रेताओं-सेल्समैन द्वारा प्रिंट रेट से अधिक की वसूली की जा रही है। दुकानदारों-ग्राहकों के बीच अक्सर प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली को लेकर विवाद व मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं, जिसकी खबरों आजाद सिपाही सहित अन्य अखबारों में अक्सर प्रकाशित भी हो रही थी, जिससे शराब माफियाओं में मीडिया के प्रति आक्रोश है। उनका मनोबल इतना बढ़ चुका है कि वे मौका मिलते ही पत्रकारों पर हमला करने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। ऐसा ही मामला शुक्रवार को देखने को मिला। जहां देर शाम प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूली की सूचना पाकर खबर संग्रह



करने गये आजाद सिपाही व अन्य एक पत्रकार पर मार्शल नामक कंपनी के मालिक ने अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। दरअसल, शराब कारोबार से जुड़े मार्शल कंपनी के मालिक-कर्मचारी को सूचना मिली कि कुछ पत्रकार गोल बिल्डिंग स्थित सरकारी शराब दुकान में अवैध शराब एवं प्रिंट रेट से अधिक शुल्क वसूल किये जाने के खिलाफ वीडियो रिकॉर्डिंग एवं न्यूज बना रहे हैं। इससे वे बेहद नाराज हो गये और

दुकान पर मौजूद सेल्समैन ने अपने कुछ गुंडों को बुलाकर दोनों पत्रकारों के साथ मारपीट शुरू कर दी। उनका मोबाइल फोन और कैमरा छिन लिया। इसके बाद गाली गलौज करते हुए एक सफेद गाड़ी में दोनों को जबरन बिठा कर कहीं ले जाने की कोशिश करने लगे। पर मौके पर लोगों की काफी भीड़ एकत्र हो जाने के कारण वे ऐसा नहीं कर सके। अंत में उन लोगों ने दोनों पत्रकारों को वहां से जाने दिया। उधर, घटना के बाद

दुकानदारों को गुंडागर्दी नहीं, शराब बेचने के लिए रखा गया है : रामलीला रवानी

उधर, उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त रामलीला रवानी ने कहा कि दुकानदारों को दुकानों में शराब बेचने के लिए रखा गया है, ना की गुंडागर्दी करने के लिए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि पत्रकारों पर हमला करने वाले दुकानदारों पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस उपाधीक्षक नौशाद आलम ने कहा कि जांच शुरू कर दी है। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। पर जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

पीड़ित पत्रकारों ने सरायहेला थाने में हमलावरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। दूसरी ओर, पत्रकारों के साथ इस तरह के अभद्र आचरण व मारपीट की खबर से मीडिया में काफी आक्रोश है। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष झा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रशासन जल्द से जल्द दोषियों को गिरफ्तार करें, नहीं तो झारखंड जर्नलिस्ट

एसोसिएशन आंदोलन करने को बाध्य होगा। बताते चलें कि इससे पहले भी नकली शराब बेचे जाने को लेकर गोल बिल्डिंग स्थित शराब दुकान में मामला दर्ज किया जा चुका है। उसके संचालक अनूप यादव और उनके एक सहयोग को जेल भी जाना पड़ा था। इसके बावजूद वहां अवैध शराब एवं प्रिंट रेट से अधिक रूप में शराब बेचे जाने का सिलसिला बदनसूर जारी है।

जबरन ओपी डंप और जमीन अधिग्रहण के प्रतिवाद में पारंपरिक हथियार से लैस ग्रामीणों का हंगामा

देवप्रभा आउटसोर्सिंग में भिड़े ग्रामीण-परियोजना समर्थक, दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी

पुलिस और सीआइएसएफ जवानों ने संभावित मोर्चा आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोड़ापोखर। अलखडीहा ओपी के जीनागोरा कालीथान स्थित देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में शनिवार की दोपहर रैयतों की जमीन पर जबरन ओबी डंपिंग और जमीन अधिग्रहण के विरोध में सैकड़ों महिला-पुरुष ग्रामीणों ने पारंपरिक हथियार से लैस होकर हंगामा किया। आक्रोशित ग्रामीण परियोजना में घुस गये और काम को बंद करा दिया। उधर, परियोजना बंद होने से भड़के आउटसोर्सिंग समर्थकों



देवप्रभा आउटसोर्सिंग में हंगामा करने वालों को पकड़ कर ले जाते सीआइएसएफ के जवान।

ने उसे चालू करने के लिए कवायद शुरू कर दी। इससे ग्रामीण भड़क गये और परियोजना

के कैप के समीप आउटसोर्सिंग समर्थकों के साथ भिड़ गये। इस दौरान ग्रामीणों की संख्या अधिक

होने के कारण परियोजना के समर्थक वहां से भाग खड़े हुए। इसके बाद ग्रामीणों ने कैप और

परियोजना में आउटसोर्सिंग परियोजना के लगभग एक दर्जन डंपरों, दो डीजल टैंकरों में तोड़फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, करीब दो दर्जन परियोजना कर्मियों की बाइक में आग लगा दी। वहीं, दोनों गुटों के समर्थकों की भिड़ंत में जम कर मारपीट एवं पत्थरबाजी हुई। इस घटना में तीसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार सहित एक दर्जन ग्रामीण चालू हो गये हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ के जवान पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किये। वहीं, घटना के बाद से परियोजना में कमकाज ठप है।

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत पर मनाया जश्न



फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर शनिवार को फुसरो में पूर्व सांसद रविंद्र कुमार पांडेय के आवासीय कार्यालय के समीप कार्यक्रमों में नमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। साथ ही आतिशबाजी की। पूर्व सांसद ने कहा कि 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। अब रामराज आयेगा एवं भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिना भेदभाव जो विकास कार्य हुए हैं। यह जीत उसी का परिणाम है। यह ऐतिहासिक जीत मोदी जी की गारंटी और उनके विकसित भारत के विजन पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत है। उन्होंने सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस जीत पर पार्टी नीतियों व नेतृत्व के प्रति जनता का विश्वास बताया। इस मौके पर भाजपा नेता सह फुसरो नप के निवर्तमान पार्षद भरत वर्मा, युवा व्यवसायी संघ फुसरो के अध्यक्ष वैभव चौरसिया, भाजपा फुसरो मंडल के निवर्तमान महामंत्री दिनेश सिंह, शंकर सिन्हा, चंदन कुमार आदि लोग मौजूद थे।

गुटखा-तंबाकू की बिक्री के खिलाफ फूड सेफ्टी अधिकारी ने की छापामारी

झरिया (आजाद सिपाही)। धनबाद के फूड सेफ्टी ऑफिसर राजा कुमार ने शनिवार को गुटखा व तंबाकू आदि की बिक्री को

लेकर झरिया सब्जी पट्टी के शहदेवाल एवं गोलघर के रोशन अग्रवाल के यहां छापामारी की। वहां से पकड़े हुए गुटखा पान

मसाला को ज्वट कर अपने साथ ले गईं। इस दौरान विभिन्न दुकानों में जांच की गयी। उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों के पास

फूड विभाग का लाइसेंस नहीं है वो अवैध है। पान मसाला पर पाबंदी के बावजूद इन लोगों ने अपनी दुकान में उसे रखा था।

चेक बाउंस मामले में राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर बैठक

अदालत से जारी नोटिस पर त्वरित कार्रवाई करें ताकि मामले का निष्पादन हो सके : एसीजेएम

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। झारखंड उच्च न्यायालय एवं बोकारो के प्रधान जिला जज के निर्देश पर 22 फरवरी को चेक बाउंस को लेकर आयोजित होने वाले स्पेशल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर शनिवार को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में डालसा के सदस्यों ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बताते चलें कि विशेष लोक अदालत को सफलता को लेकर व्यवहार न्यायालय के कुटुंब न्यायालय बोकारो अरविंद कुमार की अगुवाई में बैठक की गई। इस अवसर पर कुटुंब न्यायालय ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जो भी नोटिस भेजा जाए, उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक मामले का निष्पादन किया जा सके। बताया कि नौकरी में आने के बाद से ही हमारा समय जनता की सेवा के लिए समर्पित हो जाता है। इसलिए आप भी न्यायालय से जो भी तमिला निर्गत हो उस पर त्वरित कार्रवाई करें। दोनों पक्षों में सुलह होने के बाद कई मामलों का निष्पादन हो सकता है। जिला



जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने बताया कि 22 को लगने वाले स्पेशल लोक अदालत चेक बाउंस के मामले के लिए हो रहा है। उसमें जो भी नोटिस जारी किया जा रहा है उस पर त्वरित कार्रवाई करें, ताकि मामले का निष्पादन हो सके। वहीं, एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति ने अधिकारियों को बताया कि 22 फरवरी को चेक बाउंस को लेकर स्पेशल लोक अदालत लगाया जा रहा है। इसके जो भी नोटिस या वारंट न्यायालय से भेजा जाएगा उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। वहीं, अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने बताया कि इससे पहले भी चेक बाउंस के स्पेशल लोक अदालत में मामलों का निष्पादन करने में

अधिवक्ताओं के साथ बैठक की गई। अपने संबोधन में एसीजेएम ने लोक अदालत में किस तरह से चेक बाउंस मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौता कराकर मामलों का निष्पादन कराया जाए इस पर विचार विमर्श किया। बताया कि सभी अधिवक्ताओं के सहयोग से लगातार लोक अदालत में मामलों का निष्पादन कराया जा रहा है। उम्मीद है कि इस बार भी नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों का निष्पादन करने में भी अधिवक्ताओं का सहयोग मिलेगा। साथ ही उन्होंने अपने स्टाफ को यह निर्देश दिया कि चेक बाउंस के मामलों में निर्गत वारंट का तामिला तुरंत संबंधित थाना से प्राप्त करें, ताकि मामलों का निष्पादन हो सके। बैठक में वरिष्ठ प्रसाद, बैद्यनाथ शर्मा, रतन कुमार सिन्हा, दे, सुभाष कटरियार, मुरली मनोहर वर्धन, जीवन सागर, अनिल कुमार, संतोष कुमार, अशोक कुमार, महुआ कारक, सोमेश कुमार सिन्हा, रियाज अंसारी, सुरेश यादव, संजय कश्यप, शिव शंकर प्रजापति, चंद्र शेखर प्रसाद, राज कुमार यादव आदि मौजूद थे।

आइआईटी-आइएसएम में सीस्मिक, मॉडलिंग और माइग्रेशन को लेकर कार्यशाला आयोजित

धनबाद (आजाद सिपाही)। आइआईटी-आइएसएम धनबाद के न्यू लेजर हॉल परिसर के लैब 3 में शनिवार से सीस्मिक मॉडलिंग और माइग्रेशन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें 140 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला आइआईटी आइएसएम के एप्लाइड जियोफिजिक्स विभाग की ओर से आयोजित की गई है। कार्यक्रम के एक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आइआईटी आइएसएम एवं सी-डैक पुणे के सीस्मिक डेटा प्रोसेसिंग विभाग के सहयोग से आयोजित की गई है। कार्यशाला के पहले दिन में प्रतिभागियों को बुनियादी एलआईएनयूएक्स और एसएलयूआरएम कमांड्स, 2डी मॉडल जियोमेट्री क्रिएशन और 2डी आइसोट्रॉपिक मॉडलिंग का उपयोग कर सीस्मिक डेटा उत्पन्न करने जैसे बुनियादी विषयों से

परिचित कराया गया। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए, जिनमें सी-डैक पुणे की वैज्ञानिक रिचा रस्तोगी ने सीस्मिक मॉडलिंग पर एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। वहीं, सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर नीटू मंगलाथ ने एसआईएस आरटीएम सॉफ्टवेयर पर एक सत्र का संचालन किया। कार्यक्रम के एक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आइआईटी आइएसएम के उप निदेशक प्रोफेसर धीरज कुमार ने एसआईएसआरटीएम सॉफ्टवेयर के व्यापक अनुप्रयोगों पर जोर दिया। वहीं, प्रोफेसर कुमार ने कहा कि बुनिया अब खनिज अन्वेषण में गैर-विनाशकारी प्रौद्योगिकियों का पता लगाने और मौजूदा भंडारों में मूल्य जोड़ने के लिए भूभौतिकीविदों पर अधिक निर्भर हो रही है। कार्यशाला नौ फरवरी

को आइआईटी रुड़की के अर्थ साइंस विभाग के प्रमुख प्रोफेसर आनंद जोशी द्वारा आरटीएम के सैद्धांतिक पहलुओं पर एक प्रस्तुति के साथ जारी रहेगी। प्रतिभागी हाथों-हाथ सत्रों में भाग लेंगे, जिसमें पहले दिन उत्पन्न डेटा का उपयोग कर सीस्मिक माइग्रेशन, एसडीवाई डेटा और तीसरी पार्टी के सीस्मिक डेटा का उपयोग कर सीस्मिक माइग्रेशन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आइआईटी-आइएसएम के एप्लाइड जियोफिजिक्स विभाग के प्रमुख प्रोफेसर संजोत कुमार पाल ने लोगों का स्वागत किया और एसआईएसआरटीएम को एक अत्याधुनिक, उच्च कस्टमाइज्ड रिवर्स-टाइम माइग्रेशन सॉफ्टवेयर के रूप में इसकी महत्ता पर जोर दिया। कार्यशाला का समापन 10 फरवरी को होगा।

झारखण्ड सरकार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग।

पत्रांक- 05/आवंनियमावली-02/2021- दिनांक-

अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना

झारखण्ड वक्फ नियमावली, 2024 के मुद्रण हेतु प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों से दिनांक- 14.02.2025 के अपराहन 01:00 बजे तक निविदा आमंत्रित किया जाता है।

क्र०सं०	कार्य का नाम	मुद्रित की जाने वाली प्रतियों की संख्या	निर्धारित दर	कुल राशि
1	झारखण्ड वक्फ नियमावली, 2024 का मुद्रण (हिन्दी में)	300		
2	झारखण्ड वक्फ नियमावली 2024 का मुद्रण (अंग्रेजी में)	300		

प्राप्त निविदा को दिनांक-14.02.2025 को 03:00 बजे अपराहन में सचिव का कार्यालय कक्ष अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, प्रोजेक्ट भवन, पुर्वा, रांची में खोला जाएगा एवं न्यूनतम दर उद्घृत वाले प्रतिष्ठान को मुद्रण हेतु आदेश दिया जाएगा।

नियम एवं शर्तें-

- यदि प्रतिष्ठान GST के अन्तर्गत निर्बंधित हो तो GST निबंधन की छायाप्रति।
- PAN/TAN Card की छायाप्रति।
- Bank Passbook की छायाप्रति।
- सशर्त निविदा स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- प्रतिष्ठान काली सूची में नहीं हो।
- 10,000.00 का Demand Draft
- निविदा मोहरबंद लिफाफे में होगी। खुली निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
- दो लिफाफे (1) Technical (2) Financial
- इस कार्य हेतु कोई अग्रिम भुगतान नहीं किया जाएगा।
- गुणवत्तापूर्ण मुद्रण के पश्चात् दो प्रतियां में विपणन प्राप्त होने पर भुगतान की कार्रवाई की जाएगी।

PR 346132 (Schedule Tribe, Schedule Caste, Minority and Backward Class Welfare Department) 24-25 (D) संयुक्त सचिव

कार्यालय, असेीनक शल्य चिकित्सक सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, लातेहार सदर अस्पताल परिसर, लातेहार

निजी नर्सिंग होम/निजी अस्पताल/एलोपैथी क्लिनिक/डेंटल क्लिनिक/आयुश क्लिनिक/पैथोलॉजी जांच घर/एक्सरे जांच घर/अल्ट्रासाउण्ड क्लिनिक आदि के निबंधन हेतु आवश्यक सूचना

Clinical Establishment Act 2010 के तहत लातेहार जिला अन्तर्गत संचालित सभी निजी नर्सिंग होम/निजी अस्पताल/एलोपैथी क्लिनिक/डेंटल क्लिनिक/आयुश क्लिनिक/पैथोलॉजी जांच घर/एक्सरे जांच घर/अल्ट्रासाउण्ड क्लिनिक आदि का पंजीकृत होना अनिवार्य है।

अल्प लातेहार जिला अंतर्गत उक्त सभी निजी संस्थान को संचालक को सविज्ञापित के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वे **Clinical Establishment Act 2010** के तहत अपने संस्थान के पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु 20/02/2025 तक अनिवार्य रूप से अपना आवेदन **Online (www.Clinicalestablishments.gov.in)** पर आवेदित करके के साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित कागजात के साथ स्थित सर्जन कार्यालय लातेहार में समर्पित कर दें। दिनांक 20/02/2025 के पश्चात् बिना निबंधन के संचालित संस्थानों के खिलाफ **Clinical Establishment Act 2010** के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी एवं इसकी सारी जवाबदेही संबंधित संस्थान के संचालकों की होगी।

दंड प्रावधान

अपंजीकृत निजी संस्थान द्वारा चिकित्सीय सेवा उपलब्ध कराये जाने पर **Clinical Establishment Act 2010** के धारा 41(1) के तहत आर्थिक दंड निम्नवत प्रावधान है :-

- प्रथम बार - 50,000/- (पचास हजार रु०) तक।
- द्वितीय बार - 2,00,000/- (दो लाख रु०) तक।
- उत्तरवर्ती बार - 5,00,000/- (पांच लाख रु०) तक।

सभी निजी नर्सिंग होम/निजी अस्पताल/एलोपैथी क्लिनिक/डेंटल क्लिनिक/आयुश क्लिनिक/पैथोलॉजी जांच घर/एक्सरे जांच घर/अल्ट्रासाउण्ड क्लिनिक आदि में पुछताछ केंद्र के समीप चिकित्सक का नाम, उसकी योग्यता मेडिकल कॉउंसिल रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं प्रदत्त सेवाओं का शुल्क का विवरण हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रदर्शित अनिवार्य है।

नोट :- सभी आम जनता/मरीजों से अनुरोध है कि अपना ईलाज पंजीकृत संस्थानों से ही कराये तथा उस संस्थान के निबंधित चिकित्सक से ही करावये।

PR.NO.346070 Health Med Edu and Family Welfare(24-25):D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।
(Phone: 06541.222288, E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

अतिअल्पकालीन-बंदोबस्ती हेतु आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद क्षेत्रांतर्गत इंटखोरी प्रखण्ड में आधुनिक डाकबंगला (Builtup Area- 9548 sft) का आवंटन खुला डाक के माध्यम से तीन वर्षों के लिए किया जाना है। बन्दोबस्ती डाकवक्ता के द्वारा बोली गई अधिकतम डाक की राशि पर आवंटित किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति दिनांक **10.02.2025 से 14.02.2025 तक** "चतरा जिला परिषद कार्यालय" के एकल खिडकी से फार्म 10,000/- (दस हजार रु०) की डिमाण्ड ड्राफ्ट जो "उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यालय पदाधिकारी, जिला परिषद चतरा" के नाम से भुगतते हो जमा कर फार्म प्राप्त कर सकता है। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 15.02.2025 को (कार्यालय कार्य दिवस) है। इसके पश्चात् आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह राशि किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जायेगा। डाकबोली हेतु समर्पित आवेदन के समीक्षापरत **दिनांक 17.02.2025 को 4.00 बजे** अपराहन डाकबोली "जिला परिषद समाकक्ष" में प्रारम्भ की जायेगी।

भवन का नाम एवं विशिष्टियां	न्यूनतम डाक की राशि (तीन वर्षों के लिए)	जमानत की राशि
इंटखोरी प्रखण्ड में आधुनिक डाकबंगला (Builtup Area- 9548 sft) कुल कमरे की संख्या -26+ 02 (suite)- (Attach with Bathroom) डायनिंग हॉल की संख्या -01 किचन की संख्या -01 स्टोर रुम की संख्या - 01 (उक्त डाकबंगला पूर्ण रूपेण सुसज्जीकृत है।)	24 लाख	240 लाख

नियम शर्तें -

- बन्दोबस्ती प्रक्रिया खुली डाक के माध्यम से अपनाई जायेगी।
- डाक बोली में उष्ठी डाकवक्ता को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी, जो वांछित कागजात (Technical Bid) की अहर्ता रखता हो। वांछित कागजात में सफल डाकवक्ता की सूची कार्यालय नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।
- आधुनिक डाकबंगला की बन्दोबस्ती की न्यूनतम डाक की राशि **10,000,000/-** (आठ लाख रु०) प्रति वर्ष (तीन वर्ष के लिए -2400000.00) के लिए निर्धारित की गयी है। उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
- सुरक्षित/जमानत की राशि **10,000,000/-** (दो लाख चालीस हजाररु०) बैंक ड्राफ्ट द्वारा "उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यालय पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा" के पदनाम से जिला परिषद, चतरा कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।
- इंटखोरी महोत्सव के लिए आधुनिक डाकबंगला प्रत्येक वर्ष(18 से 22 फरवरी तक)5 दिनों के लिए जिला प्रशासन के अधीन रहेगा तथा इसमें आवासन एवं अत्याहार का दर प्रशासन द्वारा तय किया जायेगा।
- जिला परिषद में किसी भी प्रकार का बकाया रखने वाले व्यक्ति / फर्म बन्दोबस्ती हेतु डाक में भाग नहीं लेंगे।
- अग्रोहराक्षारी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
- अन्य डाक की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट-एवं **www.chatra.nic.in** पर देखा जा सकता है, जो इस सूचना का एक अभिन्न अंग होगा।

कार्यालय पदाधिकारी (जिला परिषद, चतरा।)
PR 346053 (District) 24-25 (D)

उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यालय पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा।



**दिल्ली बोली
इस बार मोदी !**



**खिला कमल
जीता विकास**

**भाजपा पर दिल्ली ने
दिखाया विश्वास!**

**अमृतपूर्व समर्थन और अटूट विश्वास
के लिए दिल्ली की जनता और सभी
कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार**



**सबका साथ
सबका विकास....**

डॉ. प्रदीप वर्मा

**राज्य सभा सांसद सह
भाजपा प्रदेश महामंत्री
झारखंड**

